राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 233 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,16 फरवरी 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

सीएम विजय रूपाणी को कोरोना संक्रमण

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी कोरोना विषाणु (कोविड 19) से संक्रमित पाए गए हैं। श्री रूपाणी को यहां असारवा स्थित यू एन मेहता इंस्टीच्यूट ऑफ़ कार्डीओलॉजी एंड रीसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया है। 64 वर्षीय श्री रूपाणी को कल उनकी वडोदरा यात्रा के दौरान थकान और कमज़ोरी का अनुभव हुआ था और चक्कर आने पर रात को अहमदाबाद के उक्त निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के निदेशक आर के पटेल की ओर से सोमवार को जारी मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार सोमवार को उनकी कोरोना सम्बंधी आरटी पीसीआर रिपोर्ट पॉज़टिव आई है।

भारतीय विकेट कीपर नमन ओझा का संन्यास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज नमन ओझा ने इंटरनैशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 37 वर्षीय नमन ओझा ने भारत के लिए एक टेस्ट, एक वनडे और दो टी20 इंटरनैशनल मैच खेले हैं। नमन ओझा को जून 2010 में इंटरनैशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2010 में जिम्बाब्वे में खेली गई ट्राइंगुलर सीरीज के दौरान उन्होंने अपने करियर का इकलौता वनडे इंटरनैशनल मैच खेला था, जिसमें वह महज एक रन बनाकर आउट हुए थे। नमन उस मैच में बल्लेबाज के तौर पर खेले थे, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टीम में दिनेश कार्तिक मौजूद थे।

घने कोहरे से भिड़े दर्जनों वाहन ,कई घायल

चंडीगढ़ , (एजेंसी)। पश्चिमोत्तर क्षेत्र में घने कोहरे के चलते हिसार-दिल्ली नेशनल हाइवे-9 पर स्थित मयड़ टोल प्लाजा के निकट सोमवार सुबह एक दर्जन गाड़ियां आपस में टकरा गई जिससे पंद्रह लोग घायल हो गए। सोमवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना हिसार जिले में हुई । घायलों को हांसी व हिसार के अस्पतालों में दाखिल करवाया गया है। सोमवार सुबह 8.30 बजे के घने कोहरे के कारण मयड़ टोल के नजदीक एक ट्रैक्टर ट्रॉली के पीछे एक कार चालक ने टक्कर मार दी। इस दौरान कार के पीछे आने वाले दस वाहन एक-दूसरे से टकराते गए जिससे इनमें सवार पंद्रह लोग घायल हो गए।

गुजरात में बिल्डर पर जानलेवा हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और गुजरात पुलिस ने बिल्डर पर जानलेवा हमला करने वाले कुख्यात माफिया जयेश मूलजी भाई पटेल गिरोह के अन्तर्राज्यीय शातिर शूटर पंकज कुमार को आज वाराणसी से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ प्रवक्ता ने यहां यह जनकारी दी। गुजरात के बिल्डर टीना उर्फ जयसुख देवराज भाई पर जानलेवा हमला करने वाले कुख्यात माफिया जयेश मूलजी भाई पटेल गिरोह के अन्तर्राज्यीय शातिर शूटर पंकज कुमार को वाराणसी के कैंट इलाके से आज गिरफ्तार कर लिया। शूटर आजमगढ़ जिले के अतरौलिया इलाके बिलारी गांव का रहने वाला है।

नहर में एक परिवार के तीन की डूबने से मौत

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के जगतीयाल जिले में श्री राम सागर परियोजना (एसआरएसपी) नहर में कार गिरने से एक परिवार के 3 सदस्य की मौत हो गई है, जबकि उसमें सवार एक लड़का जिंदा बच गया। यह हादसा हफ्ते से भी कम समय में नहर से जुड़ी दूसरी घटना है, जो सोमवार के शुरुआती घंटों में मेडिपल्ली गांव के पास हुई। कटकवार अमरेन्द्र राव, एक वकील, उनकी पत्नी शिरिषा, बेटी श्रेया और बेटा जयंथ जगतीयाल से जोगिनीपाली के एक मंदिर में आए थे, जहां ये हादसा हुआ। इस हादसे में जयंथ जान बचाने के लिए तैर कर बाहर निकल गया। जबकि तीन अन्य डूब गए।

मुंबई की आरे कालोनी में आग , कोई हताहत नहीं

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के आरे कालोनी इलाके की झाड़ियों में सोमवार दोपहर आग लग गई और तीन दमकल वाहनों की मदद से कर्मी आग बुझाने के काम में जुटे हुए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग से किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की खबर नहीं है और संपत्ति को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। आग रॉयल पाम्स सोसाइटी और रॉयल पाम्स होटल के निकट झाड़ियों में लगी। इस जंगल को मुंबई का फेफड़ा कहा जाता है। उन्होंने बताया कि दोपहर दो बजकर 40 मिनट पर आग लगी और इसे बुझाने के प्रयास जारी हैं। अभी आग लगने के की वजह का पता नहीं चल सका है।

पुलिस ने खोला कच्चा चिट्ठा, व्हाट्सएप ग्रुप भी डिलीट

दिशा रवि ने टेलिग्राम से ग्रेटा को भेजा टूलकिट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

निकिता जैकब

किसानों के प्रदर्शन से जुड़ी 'टूलकिट' सोशल मीडिया पर साझा करने में संलिप्तता के आरोप में जलवायु कार्यकर्ता दिशा रवि को बेंगलुरू से गिरफ्तार किया गया है। दिशा रवि की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने कई परतें खोलीं हैं। दिल्ली पुलिस साइबर सेल के जॉइंट सीपी प्रेम नाथ ने बताया कि दिशा रवि ने पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग तक टूलकिट टेलीग्राम एप के माध्यम से पहुंचाई थी।

निकिता जैकब के खिलाफ सर्च वारंटः जॉइंट सीपी ने कहा कि जांच के दौरान टूलकिट के ऑनलाइन मौजूद स्क्रीन शॉट्स की पड़ताल की गई है और जांच में प्राप्त जानकारी मिलते ही इस टूलकिट गूगल डॉक्यूमेंट की संपादक निकिता जैकब के खिलाफ सर्च वारंट जारी कर केस के आयोग समेत एक टीम को मुंबई भेजा गया। उनके पास से दो लैपटॉप और एक आईफोन मिला हैं। उन्होंने आगे कहा है कि जांच में ये भी बात सामने आई कि काव्य न्याय फाउंडेशन के संस्थापक एम ओ धालीवाल अपने कनाडा में रह रहे सहयोगी पुनीत के जरिए निकिता जैकब से संपर्क किया। उनका मकसद गणतंत्र दिवस से पहले और बाद में ट्विटर स्टॉर्म और डिजिटल स्टाइक करना था। दिल्ली पुलिस ने कहा है दिशा रवि को गिरफ्तार करते वक्त सारी कानूनी प्रक्रियाओं को फॉलो किया गया था। गिरफ्तारी के वक्त उनकी मां और उस एरिया के एसएचओ भी मौजूद थे। दिशा रवि ने पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग तक टूलकिट टेलीग्राम एप के माध्यम से पहुंचाई थी। इसके अलावा उसने एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया था ताकि उस टूलकिट को लोगों के बीच फैलाया जा सके।

निकिता जैकब अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंची

मुम्बई,(एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग द्वारा सोशल मीडिया पर किसानों के प्रदर्शन से जुड़ी 'टूलकिट' साझा किये जाने के मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज मामले में आरोपी वकील निकिता जैकब ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत के लिए सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया। दिल्ली की एक अदालत ने इस मामले में जैकब और एक अन्य आरोपी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। जैकब ने सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी. डी. नाइक की एकल पीठ से याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह मंगलवार को याचिका पर सुनवाई करेगा।

खालिस्तान समर्थक नेता ने निकिता जैकब से किया था संपर्क, 26 जनवरी से पहले हुई थी ऑनलाइन मीटिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक संगठन पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन के संस्थापक मो धालीवाल ने 26 जनवरी से पहले किसान आंदोलन से जुड़े भड़काऊ हैशटैग्स को ट्विटर ट्रेंड में लाने के लिए निकिता जैकब से संपर्क किया था। टूलकिट केस की जांच कर रही दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि धालीवाल ने अपने सहयोगी पुनीत के जरिए जैकब से संपर्क साधा था, जो कनाडा का नागरिक है। सूत्रों का कहना है कि टूलकिट डॉक्युमेंट तैयार करने के मामले में अभी कई लोग शिकंज में आ सकते हैं और यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा था।

भारत खामोश नहीं होने वाला हैः राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसान आंदोलन से जुड़ी ' टूलकिट ' सोशल मीडिया पर साझा करने के मामले में पर्यावरण कार्यकर्ता दिशा रवि की गिरफ्तारी को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भारत खामोश नहीं होने वाला है। उन्होंने दिशा की गिरफ्तारी से जुड़ी खबर साझा करते हुए ट्वीट किया कि बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे, बोल कि सच जिंदा है अब तक! वो डरे हैं, देश नहीं! कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत खाामोश नहीं होने वाला है।

प्रियंका वाड्रा फिर बोलीं- किसानों के लिए नहीं, खरबपतियों के लिए कृषि कानून

मेरठ । बिजनौर के चांदपुर में सोमवार को किसानों को संबोधित करते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने कृषि कानून को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने वही बातें दोहराई जो सहारनपुर में पिछली किसान पंचायत के दौरान बोलीं थीं। दस फरवरी को सहारनपुर में हुए किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा था कि ये कृषि कानून खरपतियों के लिए है। वही बातें उन्होंने बिजनौर के महापंचायत में भी कही। लगभग आधे घंटे के भाषण के दौरान प्रियंका वाड्रा ने पीएम नरेंद्र मोदी और कृषि कानून के इर्द-गिर्द घूमती रहीं।

बिजनौर के चांदपुर में किसानों को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने कहा कि ये तीनों कृषि कानून किसानों के लिए नहीं खरबपतियों के लिए लागू की गई है। किसान 80 दिनों से ठंड में दिल्ली बार्डर पर बैठे हुए हैं। साथ ही गर्मी का सामना कर रहे हैं, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए तैयार नहीं है। प्रियंका ने कहा कि पीएम को पहले चुनाव में लोगों ने भरोसा करके जिताया, लेकिन प्रधानमंत्री ने भरोसा तोड़ा है। दूसरे चुनाव में रोजगार देने का वादा किया लेकिन लोगों को अभी तक रोजगार नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों के गन्?ना बकाया का भी भुगतान नहीं किया। 16000 करोड़ के दो हवाई जहाज खरीदे, लेकिन किसानों के गन्ना भुगतान के लिए इनके पास पैसे नहीं है।

16 हजार करोड के दो हवाई जहाज खरीदे। जबकि एक हवाई जहाज से ही किसानों का गन्ना बकाया चुकया जा सकता था। तमाम योजनाओं के लिए पैसे हैं लेकिन किसान के लिए नहीं है। प्रियंका वाड्रा ने कहा जब किसान ही मना कर रहा तो फिर क्यों कृषि कानूनों को वापस नहीं ले रहे हैं।

जमाखोरी पर जवाहरलाल नेहरु ने कानून बनाया था। लेकिन अब फिर जमाखोरी होने लगी है। जमाखोरी हो रही है, इसे लेकर कोई रोक नहीं है।

तीनों कानूनों पर स्थिति साफ करते हुए बताया कि पहले कानून से जमाखोरी बढ़ेगी। दूसरा कानून से बड़े-बड़े उद्योगपतियों की जेबे भरेंगी। सरकारी मंडियां बंद होंगी। प्राइवेट मंडियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे आपका समर्थन मूल्य समाप्त हो जाएगा। तीसरे कानून से कांट्रेक्ट के तहत किसानों के फसल को वो खरीदेंगे। इसमें खास बात है कि आगे चल कांट्रेक्ट करने वाले आपका गन्ना नहीं लेगे। जिसके बाद किसान वेबस हो जाएगा। यह तीनों कानून पूजीपतियों के लिए बनाया गया है।

किसानों के पास नहीं जाते पीएम मोदी- कहा कि पीएम चीन जाते हैं, विदेशों का दौरा करते हैं लेकिन दो से तीन किलोमीटर जाकर किसानों से बात नहीं कर पा रहे हैं। इसके साथ ही सांसद में खड़ें होकर किसानों का मजाक उडा रहे हैं। जिस किसान का अपमान कर रहे हैं उसका बेटा सीमा पर तैनात है। सीमा पर देश के लिए लड़ रहा है। कहा कि कृषि कानून से देश का किसान रो रहा है। इसको वापस लीजिए।

डेटा का उदारीकरण आत्मनिर्भर भारत के लिए अहम कदम : पीएम मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भू-स्थानिक डेटा के अधिग्रहण और उत्पादन को नियंत्रित करने वाली नीतियों का उदारीकरण आत्मनिर्भर भारत के लिए सरकार की नजर में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह रोजगार पैदा करेगा और आर्थिक विकास को गति देगा। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर कहा कि ये सुधार देश के स्टार्ट-अप, निजी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र और अनुसंधान संस्थानों के लिए नवाचारों को चलाने का निर्माण करने के लिए बड़े अवसर प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने एक निर्णय लिया है जो डिजिटल इंडिया के लिए एक बड़ी प्रेरणा होगी। भू-स्थानिक डेटा के अधिग्रहण और उत्पादन को नियंत्रित करने वाली नीतियों का उदारीकरण करना, आत्मानिभर भारत के लिए हमारी दृष्टि में एक बड़ा कदम है। मोदी ने कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसानों के आंदोलन को लेकर कहा कि, भू-स्थानिक और सुदूर-संवेदन आंकड़ों की क्षमता का लाभ हमारे किसान भी उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा, डेटा के लोकतंत्रीकरण से नई प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्मों का उदय होगा जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सुधार भारत में व्यापार करने को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर केंद्र, व्हाट्सएप को नोटिस

भारतीयों के लिए निजता के कम मानकों का आरोप लगाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने व्हाट्सऐप पर यूरोपीय उपयोगकर्ताओं की तुलना में भारतीयों के लिए निजता के कम मानकों का आरोप लगाने वाली एक नई याचिका पर सोमवार को केंद्र और संदेश भेजने वाले एप को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में उनसे जवाब मांगा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि लोगों को गंभीर आशंका है कि वे अपनी निजता खो देंगे और उनकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे ने करमान्या सिंह सरीन के अंतरिम आवेदन पर सरकार और फेसबुक की मिल्कियत वाले व्हाट्सऐप को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस 2017 की लंबित एक याचिका में दायर अंतरिम आवेदन पर जारी किया गया है।

हम किसको रोक सकते हैंः टिकैत

प्रियंका गांधी के किसान पंचायत में शामिल होने पर किया साफ

नई दिल्ली/गाजीपुर बॉर्डर, (एजेंसी)। किसान आंदोलन को लेकर कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। प्रियंका गांधी किसानों की पंचायत में लगातार पहुंच रही हैं। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत से जब प्रियंका गांधी के पंचायतों में शामिल होने पर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'वह पंचायत में जा रहीं है तो हम किसको रोक सकते हैं, पंचायत करनी चाहिए सबको। प्रियंका दिल्ली में ही बैठी हैं तो यहां ही क्या करें? गांव में घूमने जाना चाहिए।' कृषि कानून के खिलाफ एक तरफ किसान सरकार को घेरते नजर आ रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्षी पार्टियों के नेता भी सरकार पर कृषि कानून के खिलाफ दबाव बना रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी दूसरी बार उत्तर प्रदेश दौरे पर पहुंची हैं और पंचायतों में शामिल होकर किसानों को संबोधित कर रही हैं।

हालांकि महापंचायतों में राजनीतिक दखल के लिए किसान पहले ही मना कर चुके थे? इस सवाल के जवाब में टिकैत ने कहा कि, 'हम थोड़ी महापंचायत करा रहे हैं। वे अपनी पंचायत कर रहें होंगे, हमारी यूनियन की नहीं है। महापंचायत जो हो रही है क्या वे किसान नहीं है ? इसपर टिकैत ने कहा कि, 'कोई जा रहा है और पंचायत का नाम ले रहा है तो पंचायत शब्द पर बैन थो?ी न है, पंचायत सभी को करनी चाहिए।'

चीन और पाकिस्तान पर भारत को मिलेगी बड़ी बढ़त, 160 किमी दूर से ही दुश्मन के विमान मार गिराएगी अस्त्र मिसाइल

नई दिल्ली । चीन और पाकिस्तान की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत इस साल हवा से हवा में 160 किलोमीटर की दूरी से मार गिराने की क्षमता वाली अस्त्र मिसाइल का परीक्षण शुरू करेगा। इस घातक मिसाइल के साथ ही भारत हवाई युद्ध के मामले में पाकिस्तान और चीन से आगे निकल जाएगा। लंबी दूरी की मारक क्षमता से लैस अस्त्र मार्क-2 मिसाइल विजिबल रेंज से बाहर भी दुश्मनों के विमान को निशाना बनाने में सक्षम होगी।

बढ़ेगी लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता - भारत अस्त्र मार्क-2 मिसाइल से अपने लड़ाकू विमानों की क्षमता को हवाई युद्ध (हवा से हवा) में अधिक घातक बनाएगा... जैसा की 26 फरवरी 2019 को हुए बालाकोट एयर स्ट्राइक के एक दिन बाद हुआ था। इस मिसाइल से लैस भारतीय विमान दुश्मन विमानों को 160 किलोमीटर दूर से ही हवा में मार गिराने में सक्षम होंगे। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि अस्त्र मिसाइलों का परीक्षण इस साल की दूसरी छमाही में शुरू होगा।

अधिकारियों ने बताया कि साल 2022 तक इस मिसाइल को पूरी तरह से विकसित होने की उम्मीद है। पूर्व कमांडर एयर मार्शल एसबीपी सिन्हा ने कहा कि अगली पीढ़ी की इस मिसाइल के अगले साल के अंत तक ऑपरेशनल होने की उम्मीद है। सेवानिवृत्त अधिकारी एसबीपी सिन्हा पिछले काफी समय से अस्त्र मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े हैं। नई जनरेशन की अस्त्र विजुअल रेंज के बाहर मार करने वाली एयर-टू-एयर मिसाइल है।

ध्वनि की गति से चार गुना तेज

अस्त्र मार्क-2 मिसाइल ध्वनि की गति से चार गुना तेजी से उड़ान भरती है। स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस पर इसे 100 किलोमीटर से ज्यादा की स्ट्राइक रेंज की क्षमता देने के प्रयास जारी हैं। यह मिसाइल सभी मौसम, दिन और रात हर समय मार करने में समर्थ है। मौजूदा समय में इसकी रेंज लगभग 100 किलोमीटर की है। यह महंगी रूसी, फ्रांसीसी और इजराइल की BVRAAM की जगह लेगी। मौजूदा वक्त में ये मिसाइलें आयात की जाती हैं।

भारतीय वायु सेना और नौसेना ने पहले ही 288 अस्त्र मार्क-1 मिसाइलों के ऑर्डर दिए हैं। सुखोई -30 एमकेआई लड़ाकू विमानों पर पहले ही इन्होंने अपनी मारक क्षमता सिद्ध की है। इस बीच एलआरएसएएस मिसाइल का अंतिम उत्पादन बैच रविवार को एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल परिसर में शुरू किया गया है। लंबी दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाली इस मिसाइल का डिजाइन डीआरडीओ ने औद्योगिक साझेदारों के साथ मिलकर किया है।

रचा इतिहास मिशन का लक्ष्य पूरे एक साल तक मंगल के हर हिस्से पर पूरे दिन नजर रखना

यूएई के 'होप' ने मंगल ग्रह की कक्षा में किया प्रवेश

दुबई,(एजेंसी)। यूएई होप मिशन ट्रांसमिटः 'होप' ने मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश कर इतिहास रच दिया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूनाइटेड अरब एमिरेट्स) के इस अंतरिक्षयान ने मंगल ग्रह की सतह से 24,700 किलोमीटर की ऊंचाई से तस्वीरें ली हैं। यह बात की जानकारी रविवार को यूएई के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम ने ट्विटर पर तस्वीर साझा कर दी है। उन्होंने लिखा, अरब देशों में पहली बार किसी मुल्क ने मंगल ग्रह की तस्वीरें ली हैं। हमें उम्मीद है कि इस मिशन से मंगल ग्रह के बारे में नई खोज में मदद मिलेगी, जिससे आगे चलकर मानवता को लाभ होगा।

मंगल के वातावरण का करेगा अध्ययनः इस तस्वीर में मंगल की सतह पर सरज की रौशनी पडते हुए दिख रही है। इसके अलावा उत्तरी ध्रुव और मंगल की सबसे बड़ी ज्वालामुखी ओलिम्पस मून्स भी नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि ऑर्बिट अंडाकार होने की वजह से रोवर को इसे पूरा करने में 55 घंटे का समय लगेगा। इस तरह यूएई का होप यान अगले कुछ महीनों तक मंगल ग्रह के वातावरण का अध्ययन करेगा।

मंगल ग्रह का पहला ग्लोबल मैप तैयार करना है लक्ष्यः इस मिशन का लक्ष्य पूरे एक साल तक मंगल के हर हिस्से पर पूरे दिन नजर रखना, ग्रह का पहला ग्लोबल मैप तैयार करना और ग्रह के मौसम के रहस्यों से पर्दा उठाना है। बता दें मंगल पर सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला एकमात्र देश अमेरीका है। वहीं नासा के दो लैंडर - इनसाइट और क्यरियोसिटी मंगल ग्रह पर संचालित हो रहे हैं।

मंगल ग्रह पर आ रहे पृथ्वी जैसे भूकंप वैज्ञानिकों के लिए बनी पहेली

मंगल ग्रह को शांत प्लानेट माना जाता है। इसका तापमान भी ठंडा है और सतह पर बर्फ भी है। लेकिन यहां हो रही कुछ घटनाओं के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। नासा के इंसाइट अभियान के जरिए पता चला है कि मंगल ग्रह पर भी पृथ्वी जैसे भूकंप आ रहे हैं। इस तरह की घटना अब वैज्ञानिकों के लिए एक पहेली बन गई है। वहीं पिछले कई वर्षों में मंगल ग्रह पर रिकरिंग स्लोप लाइन दिख रही है। एक वरिष्ठ रिसर्च साइंटिस्ट बिशप ने कहा कि हमने कक्षा से जमीन पर बनी गहरी रेखाओं से पहचान की है। ये सूरज की ओर ढाल वाले इलाकों में होती है। इसके कारण ऐसा कहा जा सकता है कि इसका संबंध बर्फ पिघलने से है। बिशप ने कहा कि यह घटनाएं धूल के तूफानों के कुछ महीनों बाद काफी बढ़ जाती है और फिर धीरे-धीरे कम होने लगती है।

कोरोना संकट में भी गणतंत्र दिवस में शानदार प्रदर्शन करने वाले लोगों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस साल कोरोना काल में भी गणतंत्र दिवस के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी लोगों को बधाई दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर भारत की विविधता में एकता का गवाह था, तो उन्हें राजपथ पर मार्च देखने आना चाहिए। बता दें कि इस साल यानी 2021 में पहली बार कोरोना संक्रमण को देखते हुए गणतंत्र दिवस कई बदलाव किए गए थे। 72वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मना गया। मुख्य समारोह दिल्ली के राजपथ पर हुआ था। इस दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने झंडारोहण किया था। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया गेट के पास बने वॉर मेमोरियल गए थे। वॉर मेमोरियल आजादी के बाद शहीद हुए सैनिकों की याद में बनाया गया था।

राजपथ में परेड में बांग्लादेश के सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने भी हिस्सा लिया था। इस टुकड़ी में बांग्लादेश के 122 जवान शामिल हुए थे। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के पचास साल पूरे होने पर बांग्लादेश के सशस्त्र बलों की टुकड़ी परेड में शामिल हुआ थी यह तीसरा मौका है, जब किसी अन्य देश की सैन्य टुकड़ी यहां गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया था । इससे पहले 2016 में फ्रांस और 2017 में सुयक्त अरब अमीरात की सैन्य टुकड़ी ने हिस्सा लिया था।

अहमदिया होने पर पाकिस्तान में एक डॉक्टर की हत्या, पाकिस्तानी इन्हें नहीं मानते मुसलमान

पेशावर। एक तरफ जहां भारत में कोरोना महामारी से जूझते डॉक्टरों को कोरोना वॉरियर्स जैसे सम्मान से नवाजा जाता है तो उसके ठीक उलट पाकिस्तान में सरेआम उनकी हत्या की जा रही

है। पाकिस्तान में एक बार फिर से एक अहमदिया मुसलमान की हत्या की गई है। भारत को अल्पसंख्यकों पर बड़ी-बड़ी बातें कहने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के खुद के देश में मुसलमानों की स्थिति बताने के लिए ये काफी है।

पाकिस्तानी ने पुलिस के हवाले से बताया है कि पेशावर के बाजिदखेल इलाके में अहमदिया समुदाय के एक होम्योपैथिक डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक पुलिस प्रवक्ता ने मारे गए व्यक्ति की पहचान अब्दुल कादिर के रूप में की है। जिसे एक 18 साल के आरोपी इहसनुल्लाह ने गोली मारी है। पाकिस्तान में इस डॉक्टर की इसलिए हत्या कर दी गई क्योंकि वह अहमदिया थे। पाकिस्तान में एक साल के अंदर यह ऐसी पांचवी हत्या है। अहमदिया लोग खुद को इस्लाम के अनुयायी कहते हैं, लेकिन पाकिस्तान में उन्हें मुसलमान नहीं माना जाता है। इस कारण वह अक्सर पाकिस्तानी लोगों के निशाने पर रहते हैं। पाकिस्तान में दशकों से अहमदिया मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं। पाकिस्तान में 40 लाख अल्पसंख्यक अहमदी, दशकों से मौत की धमकी, धमकी और निरंतर घृणा अभियान का सामना कर रहे हैं।

पिछले साल, अहमदी मुस्लिम समुदाय के लिए यूके स्थित ऑल पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप की 168 पन्नों की रिपोर्ट में पाकिस्तान में अहमदी समुदाय के साथ होने वाले भेदभाव के बारे में विवरण सामने आया था। 'द फेथफुल ऑफ द फेथफुल - पाकिस्तान में अहमदी मुसलमानों के उत्पीड़न और अंतर्राष्ट्रीय चरमपंथ के उदय' शीर्षक वाली रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन और पाकिस्तान के गठन के बाद शांतिप्रिय समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न तेज हो गया।

महाभियोग से बरी होने के बाद ट्रंप ने दिखाए तेवर, कहा- अमेरिका को महान बनाने का आंदोलन अभी शुरू हुआ है

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कैपिटल हिल हिंसा को लेकर महाभियोग से बरी हो गए हैं। उनके खिलाफ दूसरी बार महाभियोग चलाया गया। बरी होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए हमारा ऐतिहासिक,देशभक्ति और सुंदर आंदोलन केवल अभी शुरू ही हुआ है। उन्होंने अपने लीगल टीम को धन्यवाद कहा। ट्रंप ने कहा कि कोई भी राष्ट्रपति कभी भी इस तरह के दौर से नहीं गुजरा है। उनके साथ ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि उनके विरोधी इस बात को नहीं भूल पा रहे हैं कि उन्हें 75 मिलियन लोगों ने उन्हें वोट दिया। इतना वोट कभी किसी मौजूदा राष्ट्रपति को नहीं मिला था। उन्होंने ट्रायल को देश के इतिहास का सबसे बड़ा विच हंट बताया।ट्रंप ने कहा कि आगे हमारे पास बहुत काम है। आने वाले महीनों में मेरे पास आपके साथ साझा करने के लिए बहुत कुछ है और हम अपने सभी लोगों के लिए अमेरिकी महानता प्राप्त करने के लिए अपनी अविश्वसनीय यात्रा को जारी रखने के लिए तत्पर हैं। ट्रंप ने अपना बचाव करते हुए खुद को कानून-व्यवस्था का हिमायती बताया और छह जनवरी हुए कैपिटल हिल हिंसा के माफी नहीं मांगी। उन्होंने बाइडन प्रशासन पर कानून का इस्तेमाल बदला लेने के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह काफी दुखद समय है। एक पार्टी को भीड़ का उत्साह बढ़ाने, किसी को बदनाम करने और उसके खिलाफ बोलने वालों की आवाज दबाने की खुली छूट दे दी गई है।

ब्राजील में कोरोना संक्रमण का आंतक जारी, लगातार पांचवें दिन एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत

ब्रासीलिया। ब्राजील में कोरोना संक्रमण का आंतक जारी है। पिछले 24 घंटे में यहां संक्रमण से 1043 लोगों की मौत हो गई। लगातार पांचवें दिन लैटिन अमेरिकी देश में एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। इसके साथ कोरोना के कारण यहां मरने वालों की कुल संख्या दो लाख 38 हजार 532 हो गई है। दुनिया में अमेरिका के बाद कोरोना के कारण सबसे ज्यादा मौत यहीं हुई है। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना के 44 हजार 299 मामले सामने आए। कुल अब तक 98 लाख नौ हजार 754 मामले सामने आ गए हैं। विश्व में सबसे ज्यादा मामले अमेरिका में सामने आए हैं। दूसरे नंबर पर भारत और तीसरे पर ब्राजील है। देश में सबसे अधिक आबादी वाला राज्य साओ पाउलो सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां अभी तक 56,191 लोगों की मौत हो चुकी है और 19,11,411 मामले सामने आ गए हैं। इसके बाद रियो डी जनेरियो पांच लाख 54 हजार 040 मामले सामने आ गए हैं और 31 हजार 383 लोगों की मौत हो गई है। देश में टीकाकरण भी जारी है।

खाली हाथ लौटी डब्ल्यूएचओ की टीम: चीन ने एक्सपर्ट्स को कोरोना का डेटा देने से इनकार किया

सरकार की कही बात मानने के लिए दबाव बनाया

लंदन। कोरोना के मामले छिपाने वाले चीन पर अब मरीजों का डेटा न देने का आरोप है। चीनी वैज्ञानिकों ने वायरस के ओरिजिन का पता लगाने वुहान गई वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की टीम के साथ रॉ डेटा शेयर करने से इनकार कर दिया। उन्होंने सरकार की कही बात मानने के लिए दबाव भी बनाया। डब्ल्यूएचओ ने यह जानकारी दी।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, इस डेटा की मदद से कोरोना वायरस के ओरिजिन को समझने के करीब पहुंचा जा सकता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने हाल में वुहान से जांच कर लौटे एक्सपर्ट्स के हवाले से बताया कि मरीजों के रिकॉर्ड्स और दूसरे मसलों पर हालात काफी तनाव भरे हो जाते थे। कई बार दोनों पक्षों में बहस जैसी स्थिति बन गई।

शुरुआती दिनों की जानकारी नहीं दी

टीम ने यह भी कहा कि चीन ने कोरोना के शुरुआती दिनों के बारे में जानकारी देने का विरोध किया। इससे उनके लिए छिपे हुए सबूत हासिल करना मुश्किल हो गया। यह जानकारी भविष्य में कोरोना जैसी खतरनाक बीमारियों को रोकने में मदद कर सकती है। टीम में शामिल डेनमार्क की एपिडेमियोलॉजिस्ट थिया कोलसेन फिशर ने बताया कि अगर आप डेटा के भरोसे हैं और प्रोफेशनल हैं, तो डेटा हासिल करना वैसे ही है, जैसे कोई डॉक्टर मरीज को आंखों से देखता है। उन्होंने कहा कि चीनी अफसरों ने डब्ल्यूएचओ की टीम से कहा कि वे वायरस के ओरिजिन के बारे में सरकार की कही बात मान लें। इसमें कोरोना के विदेश से चीन में फैलने की बात भी शामिल है। इस पर टीम के वैज्ञानिकों ने कहा कि वे बिना डेटा के कोई फैसला लेने से बचेंगे।

चीन पर जांच के लिए दबाव

डॉ. फिशर ने कहा कि हर कोई जानता है कि चीन पर जांच के लिए कितना दबाव है और उसका कितना दोष हो सकता है। वायरस का फैलना कब शुरू हुआ, इस बारे में टीम ने कहा कि उसने अभी तक इस बात का सबूत नहीं है कि चीन से पहले कहीं वायरस था।

अक्टूबर 2019 में 92 मरीज एडमिट होने की बात मानी

चीनी वैज्ञानिकों ने यह बात मानी कि अक्टूबर, 2019 की शुरुआत में वुहान के अस्पताल में बुखार और खांसी जैसे लक्षण वाले 92 लोगों को एडमिट कराया गया था। उन्हें उन लोगों में कोरोना का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन उनके टेस्ट अधूरे थे।

इस मामले को दबाने और वायरस के फैलाव को रोकने के लिए कोशिश न करने पर बीजिंग की आलोचना हुई। इससे यह वायरस पूरी दुनिया में फैल गया। बताया जाता है कि चीन में कोरोना का पहला मरीज 17 नवंबर को ट्रेस हो गया था, लेकिन चीन ने 21 दिन बाद 8 दिसंबर को इस बारे में दुनिया को बताया।

देर से किए गए एंटीबॉडी टेस्ट पर भरोसा कम

फिशर ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि वुहान जैसे शहर में कोरोना के लक्षणों वाले कई लोग मिलेंगे। ड्ढ्ढ की टीम ने चीनी वैज्ञानिकों से और ज्यादा सर्च के लिए कहा। टीम ने संक्रमण के लंबे समय बाद एंटीबॉडी टेस्ट की विश्वसनीयता के बारे में भी चिंता जाहिर की। ड्वायर ने कहा कि मुझे लगता है कि यह चीन में शुरू हुआ। इसके यहां से बाहर फैलने के कुछ सबूत है, लेकिन यह बहुत कमजोर हैं।

लैब से वायरस लीक होने की थ्योरी खारिज

ड्ढ्ढ की टीम जांच के लिए वुहान के हुनान मार्केट गई थी। माना जाता है कि कोरोना सबसे पहले यहीं मिला था। 12 दिन की जांच के बाद टीम ने किसी लैब से वायरस के लीक होने की थ्योरी को खारिज कर दिया था।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, टीम को लीड करने वाले डेनमार्क के ड्ढ्ढ के फूड सेफ्टी एक्सपर्ट पीटर बेन एम्बरेक ने कहा कि वे इस थ्योरी पर आगे जांच की सिफारिश नहीं करेंगे कि वायरस गलती से किसी लैब से लीक हो गया था।

10 करोड़ से ज्यादा मरीज, 23 लाख मौतें

दिसंबर 2019 में वुहान में निमोनिया जैसे लक्षण वाले कुछ मरीजों में नए तरह के कोरोना वायरस की पहचान की गई थी। इसे बाद में कोविड-19 नाम दिया गया। धीरे-धीरे यह बीमारी पूरी दुनिया में फैल गई। 10 करोड़ से ज्यादा लोग इसकी चपेट में आए। 23 लाख लोगों की मौत हुई। तब अमेरिका के राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने नए वायरस को चीनी वायरस कहकर इसके लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया था।

ओबामा के वादे पर आगे बढ़ने की तैयारी

जो बाइडेन क्यूबा की दुर्दांत ग्वांतानमो बे जेल बंद करना चाहते हैं, इसमें संदिग्ध आतंकियों को रखता है अमेरिका

वाशिंगटन। दुनिया की सबसे खूंखार जेलों में शुमार क्यूबा की ग्वांतोनमो बे जेल को एक बार फिर बंद करने की कवायद हो रही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन इसे बंद करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव जेन साकी ने बताया कि बाइडेन का लक्ष्य अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले इस जेल को बंद करना है। नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता एमिली हॉर्न ने कहा कि विवादास्पद जेल बंद करने के लिए रक्षा विभाग, राज्य और न्याय विभागों के साथ मिलकर काम करेगा। राष्ट्रपति ओबामा ने अपने कार्यकाल में कहा था कि वे कांग्रेस में इस जेल को बंद करने का प्रस्?ताव रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि इसे मंजूदी नहीं दी गई तो वह अपने वीटो पॉवर का इस्तेमाल करेंगे। हालांकि, वे मंशा पूरी नहीं कर सके। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसे बंद करने के इच्छुक नहीं थे। क्यूबा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्?डे से लगी ग्वांतानामो बे में 40 कैदी ऐसे हैं। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने संदिग्ध आतंकियों को पकड़कर इसी में बंद किया था। 2002 में इस जेल की कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई थीं, जिन्हें लेकर अमेरिका को आलोचना का सामना करना पड़ा था।

6 गुणा 6 फीट के पिंजरे में ठूंसे 12

आंखों पर पट्टी बांधकर ले जाया गया। बेड़ियां जकड़ीं और 15 दिन पूछताछ हुई। 6 गुणा 6 फीट की पिंजरेनुमा कोठरी में 12 लोग ठूंसे गए

कैदी, बोलने तक की मनाही

2002 में रिहा कुछ कैदियों ने बताया था कि हमारे बाल, दाढ़ी काट कर फ्लाइट में थे। सांस लेना दूभर था। न तो आपस में बात करने आजादी थी, न ही जियारत की। ये मौत से कम नहीं था।

कोरोना दुनिया में: अमेरिका में वायरस के नए वैरिएंट के करीब 1000 मामले मिले; 24 घंटे में फ्रांस में 21 हजार से ज्यादा केस आए

वाशिंगटन। अमेरिका के 44 राज्यों में अब तक कोरोना के नए वैरिएंट के करीब 1000 मामले सामने आ चुके हैं। एस सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, सबसे ज्यादा 981 मामले ब्रिटेन में मिले कोरोना के नए स्ट्रेन के हैं। इसके अलावा 13 मामले साउथ अफ्रीका और 3 मामले ब्राजील वाले वैरिएंट के हैं।

अमेरिका में कुल 86,275 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई और 2272 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 2.81 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं। राहत की बात यह है कि 1.81 करोड़ लोग कोरोना से ठीक भी हो चुके हैं, जबकि 4.96 लाख लोगों की मौत हुई है। वहीं, फ्रांस में शनिवार को कोरोना के 21,231 नए मामले सामने आए और 199

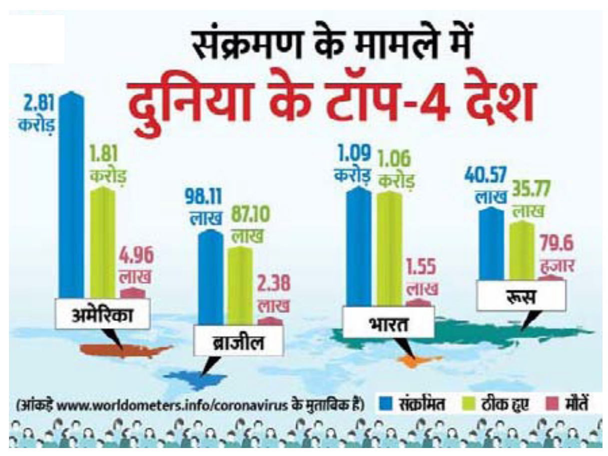

लोगों की मौत भी हुई। यहां अब तक 81,647 लोग संक्रमण से जान गंवा चुके है, जो ब्रिटेन और इटली के बाद यूरोप में तीसरे पायदान पर है। पिछले 7 दिनों में कोरोना से 10,037 नए मरीज अस्पतालों में एडमिट हुए हैं, जिनमें से 1,795 मरीजों को ICU में भर्ती कराया गया है।

अब तक 28.88 लाख लोगों का वैक्सीनेशन

फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक 28 लाख 88 हजार 430 लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है, जबकि इनमें से 6 लाख 39 हजार 899 लोगों को इसके दो टीके लग चुके हैं। फ्रांस का लक्ष्य मई के अंत तक अपने यहां के 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना का टीका लगाना है और सभी वयस्कों का टीकाकरण अगस्त के अंत तक किए जाने का लक्ष्य बनाया गया है।

रोज मिलने वाले मरीजों की संख्या में 50फीसदी की गिरावट

दुनिया के जिन 74 देशों में वैक्सीन लगनी शुरू हो चुकी है, वहां नए मरीजों में गिरावट दर्ज होने लगी है। 11 जनवरी के बाद दुनिया में रोज मिलने वाले मरीजों की संख्या में 50त्न की गिरावट आ चुकी है। 11 जनवरी को रोज मिलने वाले मरीजों का औसत 7.98 लाख था, अब 4 लाख है। मरीजों के आंकड़े में ऐसी तेज गिरावट कोरोना दौर में पहली बार देखने को मिली है। खास बात यह है कि दुनिया में पहली बार ही सक्रिय मरीजों की संख्या भी कम होने लगी है। अभी कुल 2.54 करोड़ सक्रिय मरीज हैं। एक महीने पहले 2.69 करोड़ थे।

अब तक 10.9 करोड़ केस

दुनिया में अभी 10.9 करोड़ केस हैं। अब तक महामारी से कुल 24.05 लाख लोगों की जान जा चुकी है। अच्छी बात ये कि 8.11 करोड़ मरीज ठीक भी हो चुके हैं।

जापान में धरती कांपी: फुकुशिमा में 7.1 तीव्रता का भूकंप; 8 लाख घरों की बिजली गुल, लेकिन सूनामी का खतरा नहीं

टोक्यो। जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर शाम 7:37 बजे 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके पूरे देश में महसूस किए गए, लेकिन सबसे ज्यादा असर फुकुशिमा और मियामी में रहा। फुकुशिमा में बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है। जापान सरकार के प्रवक्ता काट्सूनोबू ने कहा कि न्यूक्लियर प्लांट में अब तक कोई असामान्य बात नजर नहीं आई है। एक्सपर्ट की टीम प्लांट का निरीक्षण करने पहुंच गई है।

जापान की मीटियरोलॉजिकल एजेंसी ने कहा है कि इस भूकंप से सूनामी का खतरा नहीं है। भूकंप का केंद्र राजधानी टोक्यो से करीब 306 किलोमीटर दूर जमीन से 60 किमी गहराई में था। टोक्यो इलेक्ट्रिक पॉवर कंपनी ने कहा कि भूकंप के चलते देश के 8,60,000 घरों की बिजली सप्लाई बंद हो गई। इधर, प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने भूकंप के बाद अपने ऑफिस में बने क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।2011 में भूकंप के बाद सूनामी से हुई थीं 16 हजार मौतें

जापान में इसी जगह 10 साल पहले मार्च 2011 में 9 तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंप के कारण जबर्दस्त सूनामी आई थी। तब उठी

सूनामी की लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट को तबाह कर दिया था। इसे पर्यावरण को नुकसान के लिहाज से बड़ी घटना माना गया था। तब समुद्र में उठी 10 मीटर ऊंची लहरों ने कई शहरों में तबाही मचाई थी। इसमें करीब 16 हजार लोगों की मौत हुई थी।

रिंग ऑफ फायर पर बसा है जापान

जापान भूकंप के सबसे ज्यादा सेंसेटिव एरिया में है। यह पैसिफिक रिंग ऑफ फायर में आता है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स के साथ ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी मौजूद हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है।

इनके असर से ही सूनामी आती है और वॉल्केनो भी फटते हैं। दुनिया के 90त्न भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर में आते हैं।रिंग ऑफ फायर का असर न्यूजीलैंड से लेकर जापान, अलास्का और उत्तर और साउथ अमेरिका तक देखा जा सकता है। 15 देश इस रिंग ऑफ फायर की जद में हैं। यह इलाका करीब 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने भी एक्टिव वॉल्केनो हैं, उनमें से 75फीसदी इसी एरिया में हैं।

ट्रम्प दूसरी बार महाभियोग से बरी

यूयॉर्क। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनके दूसरे महाभियोग के मुकदमे में बरी कर दिया गया है। 6 जनवरी को कैपिटल हिल में हुई हिंसा को लेकर महाभियोग की प्रक्रिया में 4 दिन की बहस के बाद सीनेट में वोटिंग हुई, जिसमें 57 सीनेटरों ने उन्हें हिंसा भड़काने का दोषी करार दिया, जबकि 43 सीनेटर इसके पक्ष में नहीं थे। ऐसे में ट्रम्प को दोषी करार देने के लिए सीनेट को दो तिहाई बहुमत नहीं मिल सका। महाभियोग से बरी होने के बाद ट्रम्प ने डेमोक्रेट पार्टी का नाम लिए बिना उस पर निशाना साधा। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, 'इस समय यह कहना काफी दुखद है कि अमेरिका की एक पार्टी कानून के शासन को कलंकित करने के लिए फ्री पास बांट रही है। कानून का पालन कराने वाली एजेंसियों (लॉ एन्फोर्समेंट) का अपमान किया जा रहा है। भीड़ को भड़काया और दंगाइयों को माफ किया जा रहा है। न्याय तंत्र को राजनीतिक बदले के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। जो भी लोग उनसे अहसमत हैं, उन्हें या तो दबाया जा रहा है या ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कानून के शासन का चैम्पियन था और रहूंगा। अमेरिकियों के हक की बात शांति और सम्मान के साथ बिना किसी नफरत के उठाई जाती रहेगी।' 100 सदस्यीय सीनेट में डेमोक्रेट सांसदों की संख्या 50 है और ट्रम्प को दोषी करार देने के लिए दो तिहाई बहुमत (67) की जरूरत थी। ट्रम्प के खिलाफ इससे 10 कम यानी 57 वोट पड़े। 7 रिपब्लिकन सांसदों (ट्रम्प की

पार्टी) ने भी ट्रम्प के खिलाफ वोटिंग की। इसके बावजूद ट्रम्प महाभियोग से बचने में सफल हुए। जिन 7 रिपब्लिकन सांसदों ने महाभियोग के पक्ष में वोटिंग की, उनमें बिल कैसिडी, रिचर्ड बर्र, मिट रोमनी, सुजैन कॉलिंस, लीजा मरकॉस्की, बेन सैसे और पैट टूमी शामिल हैं।

ट्रम्प के खिलाफ पिछले साल भी महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। संसद का निचला सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेट्स के बहुमत के चलते यह पास हो गया था, लेकिन सीनेट में रिपब्लिकंस की मेजॉरिटी के चलते प्रस्ताव गिर गया। ट्रम्प पर आरोप था कि उन्होंने बाइडेन के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए यूक्रेन पर दबाव डाला था। निजी और सियासी फायदे के लिए अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए 2020 के राष?ट्रपति चुनाव में अपने पक्ष में यूक्रेन से मदद मांगी थी। 1868 में अमेरिकी राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन के खिलाफ अपराध और दुराचार के आरोपों पर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में महाभियोग प्रस्ताव पास हुआ। उनके खिलाफ संसद में आरोपों के 11 आर्टिकल्स पेश किए गए। हालांकि, सीनेट में वोटिंग के दौरान जॉनसन के पक्ष में वोटिंग हुई और वे राष्ट्रपति पद से हटने से बच गए। 1998 में बिल क्लिंटन के खिलाफ भी महाभियोग लाया गया था। उन पर व्हाइट हाउस में इंटर्न रही मोनिका लेवेंस्की ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। उन्हें पद से हटाने के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में मंजूरी मिल गई थी, लेकिन सीनेट में बहुमत नहीं मिल पाया। वॉटरगेट स्कैंडल में पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन (1969-74) के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही होने वाली थी, लेकिन उन्होंने पहले ही इस्तीफा दे दिया। उन पर अपने एक विरोधी की जासूसी कराने का आरोप लगा था।

मनोवैज्ञानिकों की सलाह: बच्चों से बर्तन जमाने जैसे छोटे काम कराएं, तारीफ जरूर करें, यही उनकी पूंजी; उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा

वाशिंग कोरोना काल चल रहा है। स्कूल बंद हैं। बच्चे अब भी घरों से बहुत कम बाहर निकल रहे हैं। ऐसे में उनकी क्षमताएं, काबिलियत बढ़ाना माता-पिता के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। मनोविज्ञानियों का मानना है कि बच्चे नए-नए कामों में महारत हासिल करें, इसमें पैरेंट्स उनकी मदद कर सकते हैं। मसलन, बालों में डाई लगवाना, किचन में बर्तन जमवाना, झाड़ू लगाना, फोन कर पैक्ड फूड बुलवाना या वाई-फाई बूस्टर सेट करवाना आदि। ये छोटे-छोटे काम आप खुद भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें करने से बच्चों की मानसिक सेहत बेहतर होती है। उन्हें लगता है कि वे उपयोगी हैं और किसी भी काम को सफलतापूर्वक कर सकते हैं।

लेकिन क्या ऐसे छोटे-छोटे काम से बच्चों में बेहतर बनने की भावना पैदा होगी? विशेषज्ञ मानते हैं कि बच्चों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से दो-दो हाथ करने देना उनकी क्षमता और काबिलियत बढ़ाता है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की साइकोलॉजिस्ट अल्बर्ट बांदुरा इसे सर्वश्रेष्ठ अनुभव कहती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न में पॉजिटिव साइकोलॉजी की प्रो. ली वाटर्स कहती हैं, 'यह बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने की शुरुआती कवायद है। क्योंकि यह माने बगैर कि मैं कोई भी काम कर सकता हूं, कोई बच्चा ही नहीं, वयस्क व्यक्ति भी आत्मविश्वास खो देता है। क्षमता में कमी और बेबसी से चिंता, डिप्रेशन, उम्मीद और प्रेरणा की कमी महसूस होती है। दूसरी तरफ बेहतर क्षमता या उत्पादकता से संतुष्टि, आत्मविश्वास, सामाजिक जुड़ाव और इसी तरह की मानसिक स्थिति मिलती है।' डॉ. वॉटर्स सुझाव देती हैं, 'उनके काम को पहचानें और मान्यता दें। आप कह सकती हैं कि तुमने यह काम वाकई अच्छी तरह किया, यह पूरा काम तुमने खुद किया या इस बार तुम्हें किसी की मदद की जरूरत नहीं पड़ी।

दिल्ली में इलेक्ट्रिक ऑटो खरीदने पर मिलेगी सब्सिडी, सीएनजी आटो वालों के लिए भी खुशखबरी

नई दिल्ली। लोगों को ई-वाहनों (इलेक्ट्रिक वाहनों) के प्रति जागरूक करने के लिए रविवार को दिल्ली सरकार द्वारा स्विच दिल्ली अभियान का दूसरा चरण शुरू किया गया।

इसके साथ ही राजधानी में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की खरीद हो, इसे लेकर परिवहन विभाग ने मुहिम तेज कर दी है।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया है कि दिल्ली सरकार जल्द ही दिल्ली में ई-ऑटो के आसान पंजीकरण की सुविधा के लिए एक योजना लाएगी। बता दें कि एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि राजधानी के प्रदूषण में दो तिहाई योगदान दोपहिये और तिपहिये वाहनों का है। गहलोत ने बताया कि हर दिन 12 से 16 घंटे तक तिपहिया वाहन सड़क पर चलते हैं। ई-रिक्शा में अधिकतम रफ्तार 25 किमी प्रति घंटे से अधिक नहीं होती है, जबकि ई-ऑटो की रफ्तार सीएनजी ऑटो के बराबर है और लगभग 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। हमारा प्रयास है कि चालक जल्द ई-ऑटो खरीदें। कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले कुछ वर्षों से ई-रिक्शा को बढ़ावा देने के लिए 30 हजार रुपये की सब्सिडी दे रही है।

ईवी नीति के बाद अब यही सब्सिडी ई-आटो पर भी दी जा रही है। प्रत्येक वाहन की खरीद पर 30 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा दिल्ली में पंजीकृत पुराने सीएनजी आटो रिक्शा को स्क्रैप करने और डी-रजिस्टर करने के लिए अलग से 7,500 रुपये तक की छूट भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि ईवी नीति के तहत इलेक्ट्रिक तिपहिया आटो पर दी जा रही सब्सिडी उनकी कीमत को 26 फीसद तक कम करती है। वहीं इलेक्ट्रिक तिपहिया आटो खरीदकर सालाना लगभग 29 हजार ज्यादा बचाए जा सकते हैं। इसी तरह इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा पर दी जाने वाली सब्सिडी से उसकी कीमत 33 फीसद तक कम हो जाती है। ईवी नीति के तहत विभिन्न तरह के 177 तिपहिया माडल उपलब्ध हैं। इसके अलावा 68 निर्माता स्क्रैप प्रोत्साहन भी दे रहे हैं।

फिट इंडिया मिशन को प्राप्त करने के लिए ओपन जिम अहम कदम : मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली। नई दिल्ली से भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी ने रविवार को हौजखास और ग्रीन पार्क इलाके में नौ ओपन जिम, सीएनजी संचालित श्मशान और अलीगंज कोटला के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी सतराम के नाम पर सड़क का उद्घाटन किया। नौ जिम में से छह आइआइटी दिल्ली कैंपस में, दो मालवीय नगर में स्थित पुलिस कालोनियों में और एक गौतम नगर अपार्टमेंट में स्थापित किए गए हैं। दैनिक जागरण से बातचीत के दौरान मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जीवन में फिटनेस की महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं तो आपका मानसिक संतुलन भी बनता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया मूवमेंट को जन आंदोलन बनाने के लिए कहा था और हम सभी इसी प्रयास में लगे हुए हैं। अपनी फिटनेस की यात्रा शुरू करते हैं, हम अपने शरीर को बेहतर समझने लगते हैं। मैंने कई लोगों को देखा है जिन्होंने इस तरह से अपने शरीर की शक्ति को जाना और पहचाना है। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है, जिससे उन्हें बेहतर व्यक्तित्व बनाने में भी मदद मिली है। अगर शरीर फिट है तो माइंड हिट है। लेखी ने कोटला मुबारकपुर में स्थित अलीगंज में गुर्जर समुदाय से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता स्व.चौधरी सतराम को समर्पित सड़क का भी उद्घाटन किया। इस दौरान उप महापौर सुभाष भड़ाना और उपाध्यक्ष सेंट्रल जोन विनोद करोटिया भी उपस्थित थे। वहीं, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह और दक्षिणी निगम की महापौर अनामिका ने रविवार को मध्य जोन के हरि नगर वार्ड में डिस्पेंसरी, पार्क, तीन छठ घाटों व जन शौचालय का उद्घाटन और दो सड़कों का नामकरण किया। इस अवसर पर आरके सिंह ने दक्षिणी निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अनधिकृत कालोनियों में विकास कार्य करना अत्यंत कठिन होता है, लेकिन दक्षिणी निगम ने अपने ईमानदार प्रयासों से इन कालोनियों की गरीब जनता को जन सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

दिल्ली हाई कोट ने केंद्र सरकार से पूछा, अल्पसंख्यक आयोग में ज्यादातर पद खाली क्यों पड़े हैं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में नियुक्तियों का विवाद दिल्ली हाई कोर्ट में पहुंच गया है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि अल्पसंख्यक आयोग में ज्यादातर पद खाली क्यों पड़े हैं इस पर केंद्र सरकार को आने वाले दिनों में अपना पक्ष रखना है। समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार ने स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सात में से छह पद पिछले साल अक्टूबर से क्यों खाली पड़े हैं।

याचिका पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को रिक्तियों को भरने के लिए इस याचिका के जवाब में 10 दिनों में स्थिति रिपोर्ट दर्ज कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि मंत्रालय को यह स्पष्ट करना होगा कि अल्पसंख्यक आयोग के सात में से छह पद खाली है, इतनी अधिक रिक्तियां नहीं हो सकती हैं। अभय रतन बुद्ध द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि केवल अक्टूबर 2020 से आयोग के उपाध्यक्ष का पद भरा था। अधिवक्ता विनय कुमार के माध्यम से दायर याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट में यह भी कहा गया है कि अप्रैल 2020 से पद खाली होने लगे और अक्टूबर 2020 से केवल एक पद ही कार्य कर रहा है। इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से कोई भी कदम नहीं उठाया गया।

हाईवे निर्माण में हो सकेगा हर तरह के स्टील का इस्तेमाल

नई दिल्ली। राजमार्गो के निर्माण में अब हर तरह के स्टील के इस्तेमाल का रास्ता खुल गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। मंत्रालय ने कहा है कि अयस्क, बिलेट्स, पैलेट्स या स्क्रैप किसी से भी बने स्टील का प्रयोग राजमार्गो के निर्माण में किया जा सकेगा। इसके लिए शर्त यह होगी कि उस स्टील की गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरे।

सरकार ने कहा है कि प्रयोग की मंजूरी दिए जाने से पहले स्टील को थर्ड पार्टी चेक के तौर पर एनएबीएल से मान्यता प्राप्त किसी लैब से गुणवत्ता जांच करानी होगी। संबंधित पक्षों से चर्चा, विश्लेषण तथा तकनीकी विमर्श के बाद यह कदम उठाया गया है। अभी तक राजमार्गो के निर्माण के लिए केवल प्राइमरी/इंटीग्रेटेड स्टील प्रोड्यूसर्स के स्टील के प्रयोग की ही अनुमति का प्रविधान है। मंत्रालय ने कहा, 'स्टील की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्गो के निर्माण की लागत बढ़ सकती है। इसे देखते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुणवत्ता से समझौता किए बिना सभी संभावित विकल्पों पर विचार का सुझाव दिया था।' इस कदम से राष्ट्रीय राजमार्गो के निर्माण के लिए स्टील आपूर्तिकर्ताओं की संख्या बढ़ेगी। इससे प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और कीमत को भी नियंत्रित करना संभव होगा। मंत्रालय नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल समेत कई अन्य माध्यमों से भी लागत को कम करने की दिशा में प्रयासरत है। आपूर्तिकर्ताओं पर पाबंदियों को कम करने तथा खरीद की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का भी प्रयास है। सरकार ने कहा, मानक पर खरा हो तो प्रयोग की अनुमति दी जाएगी। ऐसा करने से इस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 20 फरवरी से सजेगी हुनर हाट : नकवी

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय 20 फरवरी से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में देश भर के कारीगरों और शिल्पकारों के 26 वें हुनर हाट का आयोजन करेगा। इसका औपचारिक उद्घाटन 21 फरवरी को केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे। इस दौरान केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री मनसुख मंडाविया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 26वां हुनर हाट 20 फरवरी से 01 मार्च तक वोकल फार लोकल विषय के साथ आयोजित किया जाएगा, जहां सभी प्रदेशों से बड़ी संख्या में महिला कारीगरों सहित 600 से अधिक कारीगर और शिल्पकार शामिल होंगे।

दिशा रवि की करीबी निकिता जैकब फरार

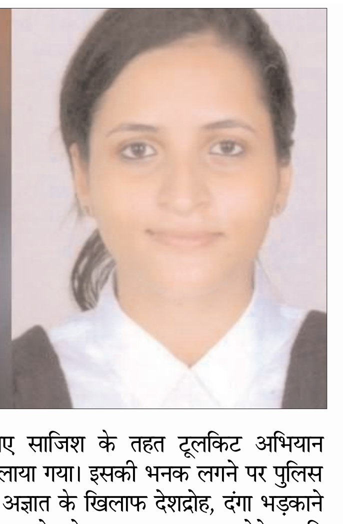

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर लाल किले पर उपद्रव के लिए उकसाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि खराब करने के लिए टूलकिट बनाने की आरोपित दिशा रवि की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने उसकी करीबी निकिता जैकब पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसके लिए फरार निकिता जैकब की तलाश को आसान बनाने के लिए दिल्ली पुलिस उसके खिलाफ कोर्ट से नॉन बेलेबल वारंट जारी करवाया है। इससे पहले दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने उसे शनिवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया और रविवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश कर पांच दिन की रिमांड पर लिया। साइबर सेल की टीम उससे द्वारका स्थित कार्यालय में पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में कई राज सामने आएंगे। पुलिस के अनुसार, बेंगलुरु में सोलादेवना हल्ली स्थित घर से गिरफ्तार मुख्य साजिशकर्ता दिशा रवि ने टूलकिट के गूगल डॉक्युमेंट को संपादित किया। वह इस डॉक्युमेंट को तैयार करने और इसका प्रसार करने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता है। पुलिस ने दिशा का रिमांड लेने के दौरान कोर्ट में कहा था कि साइबर सेल की टीम अब दिशा के करीबियों निकिता जैकब और शांतनु की भी तलाश कर रही है। दिशा का मोबाइल फोन व लैपटॉप जब्त कर लिया गया है। पुलिस का दावा है कि टूलकिट अभियान सुनियोजित साजिश के तहत चलाया गया था। इस मामले में दिशा की पहली गिरफ्तारी है। पुलिस का कहना है कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन को भड़काने के लिए साजिश के तहत टूलकिट अभियान चलाया गया। इसकी भनक लगने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ देशद्रोह, दंगा भड़काने के इरादे से भड़काऊ बयान देने आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। दिल्ली पुलिस ने ट्वीट कर कहा था कि दिशा ने ही खालिस्तान समर्थित संगठनों व अन्य साजिशकर्ताओं के साथ मिलकर टूलकिट तैयार किया और इसे आगे ट्वीट कराया।

खालिस्तान संगठन के साथ दिशा रवि और निकिता जैकब का संबंध

नई दिल्ली। टूलकिट मामले में 22 वर्षीय पर्यावरण के लिए काम करने वालीं कार्यकर्ता दिशा रवि की गिरफ्तारी के बाद उसकी करीबी निकिता जैकब पर भी दिल्ली पुलिस स्पेशल ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, खालिस्तान संगठन से जुड़े पोइट फ़ॉर जस्टिस के एमओ धालीवाल ने अपने कनाडा में रह रहे सहयोगी पुनीत के जरिये निकिता जैकब से संपर्क किया था। मकसद रिपब्लिक डे के पहले ट्विटर स्टॉर्म पैदा करना था। यह अलग बात है कि निकिता जैकब पहले भी पर्यावरण से जुड़े मुद्दे उठाती रहीं है। रिपब्लिक डे के पहले एक जूम मीटिंग भी हुई थी। इस मीटिंग में एमओ धालीवाल, निकिता जैकब और दिशा रवि के अलावा अन्य लोग शामिल हुए थे। मीटिंग में एमओ धालीवाल ने कहा था कि मुद्दे को बड़ा बनाना है। मकसद था किसानों के बीच असंतोष और गलत जानकारी फैलाना है। यहां तक कि एक किसान की मौत को पुलिस की गोली से हुई मौत बताया गया। 26 जनवरी की हिंसा के बाद अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी और एक्टिविस्ट से संपर्क किया गया था। चूंकि दिशा ग्रेटा को जानती थीं इसलिए उसकी मदद ली गई। चार दिन पहले स्पेशल सेल की टीम निकिता जैकब के घर गई थी। उसके इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की जांच की गई। उस वक्त शाम हो गई थी, इसलिए निकिता से पूछताछ नहीं की गई। जांच टीम ने कहा था कि वो अगले दिन फिर आएंगे, लेकिन जब अगले दिन स्पेशल सेल की टीम निकिता के यहां पहुंची वह गायब मिली। फिलहाल निकिता जैकब फरार है और उसके खिलाफ पुलिस ने ह्क्क्ष् यानी गैर ज़मानती वारंट जारी करवाया है। उधर, दिशा रवि की गिरफ्तारी पर राजनीति तेज हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने भी ट्वीट कर विरोध जताया है।वहीं, किसान और कांग्रेस नेताओं ने भी विरोध करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने पूछा है कि क्या किसानों के समर्थन वाली टूलकिट भारतीय सीमा में चीनी घुसपैठ से ज्यादा खतरनाक है इसी के साथ शशि थरूर, प्रियंका गांधी वाड्रा और अरविंद केजरीवाल ने दिशा की गिरफ्तारी का विरोध किया है।

आंदोलन में इस्तेमाल किया गया ट्विटर के साथ टूलकिट

नई दिल्ली। ये पहला मौका नहीं है जब ट्विटर पर टूलकिट का इस्तेमाल किया गया हो, इससे पहले भी अमेरिका में आंदोलन के दौरान टूलकिट का इस्तेमाल किया गया था जिसने पूरे अमेरिका में आग लगा दी थी। अमेरिका के इतिहास में इतना बड़ा प्रदर्शन नहीं हुआ था जो टूलकिट के माध्यम से किए गए प्रचार प्रसार के बाद हुआ था। अमेरिका के बाद भारत ऐसा देश है जहां पर इस सोशल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके इस तरह से दुनिया में देश की छवि को खराब करने का काम किया गया। यहां भी इस टूलकिट ने अराजकता फैलाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। देश की राजधानी दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन को समर्थन देने के नाम पर देश ही नहीं विदेशों के भी जाने माने सेलेब्रिटीज इसे समर्थन दे रहे हैं। तमाम सेलेब्रिटीज ट्विटर के माध्यम से इसे ट्वीट भी कर चुके हैं। इसी ट्वीट में पर्यावरण एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग के एक ट्वीट ने काफी सुर्खियां बटोंरी, उनके एक ट्वीट में एक टूलकिट भी शामिल था जिसमें पूरे आंदोलन को किस तरह से अंजाम दिया जाना है उसकी डिटेल लिखी गई थी। इसी टूलकिट की वजह से इस प्रोपेगेंडा की सारी पोल खुलती चली गई। जिस तरह से कोरोना के दौरान लॉकडाउन शब्द को दुनिया ने पहली बार जाना था, उसी तरह से अमेरिका और फिर भारत में हुए आंदोलन को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मदद करने के बाद से टूलकिट भी विषय बना हुआ है। हम आपको बताते हैं कि आखिर ये टूलकिट होता क्या है और कैसे काम करता है, जो सोशल मीडिया पर एक्टिव तो रहते हैं उनके लिए भी इसके बारे में जानना ज्यादा जरूरी है। दरअसल टूलकिट एक ऐसा दस्तावेज होता है जिसमें किसी मुद्दे की जानकारी देने के लिए और उससे जुड़े कदम उठाने के लिए इसमें विस्तृत सुझाव दिए गए होते हैं। आमतौर पर किसी बड़े अभियान या आंदोलन के दौरान उसमें हिस्सा लेने वाले वॉलंटियर्स को इसमें दिशानिर्देश दिए जाते हैं। टूलकिट का पहली बार इस्तेमाल अमेरिका में ब्लैक लाइव क्लॉयड की मौत के बाद आंदोलन को दिशा देने के लिए किया गया था। उसके बाद अब किसानों के आंदोलन में इसका इस्तेमाल किया गया। आपको याद होगा कि अमेरिका में एक अश्वेत शख्स की हत्या कर दी गई थी, उसके बाद अमेरिका के तमाम राज्यों में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे। प्रदर्शन करने वालों ने व्हाइट हाउस तक प्रदर्शन किया था। शहर में तमाम जगहों पर लगी मूर्तियों को तोड़ दिया गया था। इस आंदोलन को ब्लैक लाइफ मैटर नाम दिया गया था। इसको अमेरिका के तमाम बाहरी मुल्कों के लोगों ने भी समर्थन दिया था उसी दौरान आंदोलन से जुड़े लोगों ने ही टूलकिट बनाया, जिसमें तरह-तरह की जानकारी थी। उदाहरण के लिए आंदोलन में किन जगहों पर जाएं या दूर रहें, सोशल मीडिया पर किस तरह से सक्रिय रह सकते हैं, किन हैशटैग के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाई जा सकती है। इसके साथ ही अगर पुलिस कोई कार्यवाही करती है तो उससे किस तरह से बचा जा सकता है।

जय श्रीराम का उद्घोष कर मां ने बेटे रिंकू शर्मा को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में रविवार का दिन मरहूम बजरंग दल के कार्यकर्ता रिंकू शर्मा के नाम रहा। रिंकू शर्मा को हजारों की संख्या में स्थानीय लोग श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे। इस दौरान लोग रिंकू के हत्यारों को तत्काल फांसी देने मांग कर रहे थे। श्रद्धांजलि सभा में जब रिंकू की मां राधा शर्मा पहुंची तो माहौल और गमगीन हो गया। वह बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए मंच पर पहुचीं और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ सभा को संबोधित भी किया। उन्होंने बेटे के हत्यारों को फांसी देने की मांग की और कहा 'मेरा बेटा जिनकी दुखों में दो बार अपना खून देकर शामिल हुआ उसी ने उसकी पीठ में छुरा घोंप दिया। हत्यारों ने हमें न भूलने वाला गम दिया है। सभी धोखेबाजों को फांसी की सजा दी जाए।' उन्होंने काफी देर तक जय श्रीराम के नारे लगाए। उनके संबोधन के दौरान आक्रोश और गम दोनों साफ झलक रहा था। जिसे वहां पर मौजूद हजारों लोग महसूस कर रहे थे। इस दौरान सभा में जय श्रीराम और जय वीर बजरंगी का उद्घोष करते हुए रिंकू के छोटे भाई मन्नू ने श्रद्धांजलि सभा में मौजूद सभी लोगों का धन्यवाद दिया और कहा कि मेरा भाई मरा नहीं बल्कि शहीद हुआ है। वहीं, रिंकू शर्मा की हत्या के बाद मंगोलपुरी इलाके में तनाव के मद्देनजर रविवार को पुलिस ने रिंकू के घर जाने वाली गलियों में बैरिकेडिंग कर सुरक्षा बलों की तैनाती की है। मेटल डिटेक्टर लगा दिया गया है। लोगों को जांच के बाद ही जाने दिया जा रहा है। पुलिस लगातार लोगों से इलाके में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील कर रही है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों की तैनाती हालात सामान्य होने तक रहेगी। बता दें कि 10 फरवरी को रात तकरीबन दर्जनभर लोगों ने रिंकू शर्मा की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

प्रत्याशियों को जिताने के लिए दिल्ली के भाजपा नेता पहुंचे पंजाब

नई दिल्ली। बदले हुए सियासी हालात के बीच पंजाब में हो रहे स्थानीय निकाय चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन चुनावों की चुनौती से बेहतर तरीके से निपटकर भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव का सफर आसान करना चाहती है। इसके साथ ही वह कृषि कानून को लेकर फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का भी जवाब देना चाहती है। इस कोशिश में दिल्ली के कई भाजपा नेता इन दिनों पंजाब में डेरा डाले हुए हैं। प्रतिकूल माहौल में भी वह पार्टी के उम्मीदवारों को जीत दिलाने की कोशिश में लगे हुए हैं। 14 फरवरी को मतदान होना है। कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब से ही प्रदर्शन की शुरुआत हुई थी और बीते ढाई माह से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन चल रहा है। वहीं, कृषि कानूनों के विरोध में शिरोमणि अकाली दल बादल ने भाजपा के साथ अपना वर्षो पुराना सियासी गठजोड़ तोड़ दिया। इस तरह से कई वर्ष बाद भाजपा पंजाब में अकेले चुनावी रण में उतरी है, इसलिए यह चुनाव भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण व चुनौती भरा है। इस चुनौती से पार पाने के लिए मोहाली, पठानकोट, होशियारपुर, मोगा, कपूरथला, बठिंडा, बटाला व अबोहर में पार्टी के उम्मीदवारों को जीत दिलाने की जिम्मेदारी देकर दिल्ली के नेताओं को भेजा गया है। मोहाली में प्रदेश मंत्री इम्प्रीत सिंह बख्शी, पठानकोट में पश्चिमी दिल्ली के पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश खन्ना, होशियारपुर में प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, मोगा में करोलबाग के पूर्व जिला अध्यक्ष भारत भूषण मदान, कपूरथला में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नकुल भारद्वाज, बठिंडा में पश्चिमी दिल्ली के पूर्व जिला अध्यक्ष सत्य नारायण डंग, बटाला में प्रदेश उपाध्यक्ष करम सिंह कर्मा, अबोहर में पूर्व पार्षद हरीश ओबराय को चुनावी रणनीति बनाने के लिए भेजा गया है। उनके साथ पांच-पांच कार्यकर्ताओं की टीम भी दिल्ली से गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव बब्बर दिल्ली से पंजाब गए कार्यकर्ताओं व पार्टी हाई कमान के बीच संयोजन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इन नेताओं का कहना है कि भाजपा उम्मीदवारों व समर्थकों को धमकी दी जा रही है। भाजपा नेताओं पर हमले हो रहे हैं, लेकिन पुलिस व प्रशासन हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पिछले दिनों मोगा में भारत भूषण मदान पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। मदान का कहना है कि इस तरह के हमले से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल नहीं तोड़ा जा सकता है। वीरेंद्र सचदेवा का कहना है कि प्रत्येक शहर में कांग्रेस के लोग इस तरह के हमले कर रहे हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं में उत्साह है। घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। लोगों का पूरा समर्थन मिल रहा है। निश्चित तौर पर पार्टी को जीत मिलेगी।

देश के हर कोने में अब अंग्रेजी भाषा में पाएं वैदिक शिक्षा का ज्ञान

दिल्ली। देश के कोने-कोने में बसी नई पीढ़ी को आधुनिक तरीके से भारतीय संस्कृति, वेद, योग और प्राचीन भारत का ज्ञान देने के लिए शिक्षा मंत्रलय महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में देश को आधुनिक बनाने के साथ ही छात्रों को देश की संस्कृति से जोड़ने की इस पहल में भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम को संस्कृत के साथ ही हिंदू और अंग्रेजी भाषा में भी उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वेद व प्राचीन भारत का ज्ञान सिर्फ एक वर्ग तक सीमित न रह जाए बल्कि देश का आम नागरिक इसे सरलता से पढ़ और जान सके। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) ने भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम को कक्षा 1 से 12वीं में बांटकर, इसे संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में अनुवादित कर किताबें और ई-लर्निंग सामग्री तैयार की है। इसका विमोचन केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल द्वारा इस वसंत पंचमी पर किया जाएगा। छात्र घर बैठे वेद अध्ययन, योग और संस्कृत व्याकरण की पढ़ाई को संस्कृत भाषा में पढ़ने के साथ उसके अर्थ को हिंदी और अंग्रेजी में भी जान सकेंगे। इस बदलाव से देशभर में भारतीय ज्ञान परंपरा पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले करीब 50 हजार विद्यार्थियों को तो सीधा लाभ मिलेगा ही, साथ ही वह लोग भी इसका फायदा उठा सकेंगे, जो वेद का ज्ञान हासिल करने की इच्छा रखते हैं, लेकिन संस्कृत भाषा का ज्ञान न होने के कारण पाठ्यक्रम में पंजीकरण नहीं कर पाते थे। एनआइओएस से देशभर के 6 हजार गुरुकुल और 7 हजार मान्यता प्राप्त संस्थान जुड़े हुए हैं, जिसमें पांच लाख से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं। इन्हें अगले सत्र से इस बदलाव से लाभ मिल सकेगा। अंग्रेजी में जान सकेंगे रामायण के महाकाव्य का अर्थ- भारत जैसे-जैसे विश्व शक्ति बन रहा है वैसे ही लोगों को भारतीय संस्कृति को करीब से जानने की इच्छा जगी है। वेद व भारतीय इतिहास की किताबें अंग्रेजी में उपलब्ध होने से वह भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

राकेश टिकैत ने करोड़ों की संपत्ति को लेकर दिया बड़ा बयान

दरअसल, देश के जाने माने भारतीय किसान यूनियन के नेता स्वर्गीय महेंद्र सिंह टिकैत के बेटे राकेश टिकैत दिल्ली पुलिस में बतौर सिपाही के पद पर भर्ती हुए थे। तकरीबन 6 फुट लंबाई वाले राकेश टिकैत खुद को दिल्ली पुलिस की वर्दी में देखकर गौरवान्वित भी महसूस करते थे।

नई दिल्ली। लोकप्रियता के लिहाज से अन्य किसान संगठनों के नेताओं से आगे निकल चुके भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत इन दिनों अपनी करोड़ों की संपत्ति को लेकर चर्चा में हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, राकेश टिकैत की देश के 4 राज्यों के 13 शहरों में राकेश टिकैत की संपत्तियां हैं। इन सारी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है, वहीं राकेश टिकैत इन खुलासों से खासे नाराज हैं और उन्होंने कहा है कि गलत जानकारी पर वे ऐसा करने वालों पर मानहानि का केस भी करेंगे। बताया जा रहा है कि राकेश टिकैत की उत्तर प्रदेश और दिल्ली समेत 4 राज्यों में संपत्ति है। इनमें जमीनें भी हैं। दिल्ली के अलावा, मुजफ्फरनगर, ललितपुर, झांसी, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, बदायूं, नोएडा, गाजियाबाद, देहरादून, रूड़की, हरिद्वार और मुंबई में संपत्तियां हैं। इनकी कीमत कई करोड़ रुपये है। राकेश टिकैत के पास खेती के जमीनों के साथ रिहायशी जमीन और पेट्रोल पंप, शोरूम, ईंट-भट्ठे और अन्य कारोबार भी हैं। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर चल रहे किसान आंदोलन की धुरी बन चुके 51 वर्षीय राकेश टिकैत की शादी साल 1985 में सुनीता देवी से हुई थी। राकेश-सुनीता का एक बेटा चरण सिंह और 2 बेटियां सीमा टिकैत और ज्योति टिकैत हैं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है और बेटियां अपने पति-बच्चों के साथ खुश हैं। यह भी जानकारी मिली है कि राकेश टिकैत की छोटी बेटी ज्योति टिकैत ऑस्ट्रेलिया में पति के साथ रहती है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में इसी महीने 8 फरवरी को कृषि बिल के विरोध में बैठे प्रदर्शनकारियों के समर्थन में रैली आयोजित की गई थी। इसमें ज्योति ने भी शिरकत की थी। उधर, किसान आंदोलन में बड़े नेता के तौर पर उभरे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने संपत्ति की जानकारी मीडिया में आने पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि आंदोलन का संपत्ति से क्या मतलब वहीं, विरोधियों द्वारा उनकी संपत्ति को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर किसान नेता टिकैत ने कहा है कि कम आकलन किया है। ज्यादा करना चाहिए। बहुत संपत्ति है हमारे पास। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स पर तंज कसते हुए कहा कि हमें भी नहीं पता है कितनी है कई हजार करोड़ की होगी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि संपत्ति का पता लगाने के लिए कई पटवारी, अधिकारी और सरकार लगानी पड़ेगी तब जांच होगी दिल्ली पुलिस में बतौर सिपाही भर्ती होकर समाजसेवा-देश सेवा की शपथ लेने वाले राकेश टिकैत कैसे देश के जाने-माने नेता बन गए इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है।

भाजपा दिल्ली की जनता के धैर्य की परीक्षा न ले और प्रस्ताव वापस ले- दुर्गेश पाठक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने शनिवार को दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के बजट में पार्षदों के फंड में की गई बढ़ोतरी पर विरोध जताया। पाठक की आपत्ति का जवाब देते हुए दिल्ली प्रदेश भाजपा के महामंत्री हर्ष मल्होत्र ने कहा कि निगम के हर काम की निंदा कर विवाद खड़ा करना ही आप का एक मात्र काम रह गया है। जबकि, निगम की तरफ फंड बढ़ाने के फैसले से जनता को लाभ होगा। पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता करते हुए दुर्गेश पाठक ने कहा 'दक्षिणी नगर निगम के पास कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं है, लेकिन बजट में पार्षदों का फंड 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दिया है और चेयरमैन, वाइस चेयरमैन को 50 लाख का अतिरिक्त पैकेज देकर उनका फंड 1.5 करोड़ रुपये कर दिया है। जबकि, केजरीवाल सरकार ने अपनी योजनाओं के फंड में कटौती कर निगमों को 1,095 करोड़ रुपये दिए थे, ताकि कर्मचारियों के वेतन व अन्य जरूरतों को पूरा किया जा सके। आम आदमी पार्टी इसका विरोध करती है।'

संपादकीय

ड्रैगन की वापसी

पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग में अप्रैल 2020 से भारत की सरजमीं पर कब्जा जमाकर बैठे चीन की सेना को अब वापस लौटना पड़ रहा है। इसे भारत की कूटनीतिक जीत ही माना जाएगा। वैसे सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस समझौते से भारत का सामरिक पक्ष कमजोर होगा क्योंकि भारतीय सेना वहां ज्यादा मजबूत स्थिति में थी। समझौते के मुताबिक चीन के सैनिक फिंगर 8 से पीछे जाएंगे जबकि भारतीय सेना फिंगर 3 के पास आएगी। चरणबद्ध, समन्वित और सत्यापित तरीके से इसे अंजाम दिया जाएगा। प्रक्रिया पूरी होने में करीब एक हफ्ते का समय लगेगा। पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति बदलने की कोशिश के बाद भारत और चीन ने 50-50 हजार सैनिकों की तैनाती इलाके में की थी। पड़ोसी देशों के साथ चीन के रिश्ते जगजाहिर हैं। उसकी विस्तारवादी नीति का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक ने जिक्र किया है। कुल जमां यही कि चीन पर बहुत भरोसा नहीं किया जा सकता है। कारण कि उसने हर बार भरोसे का कत्ल किया है। एक तरफ तो वह बातचीत की मेज पर भी बैठता हैग वहीं दूसरी ओर अपनी कुटिल चाल का प्रदर्शन भी करता रहता है। पिछली कई घटनाओं में उसने ऐसा किया है। जानकार भी यह मानते हैं कि पिछले कुछ महीनों में कूटनीतिक रिश्तों में भरोसे की कमी आई है। लिहाजा भारत को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। इसके अलावा अपनी सैन्य ताकत में इजाफा भी करना होगा। यह काम तभी होगा जब हम इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करेंगे। साथ ही प्रतिबद्धता के साथ सीमा विवाद के मसले हल करने होंगे। इसके अलावा व्यापारग जलवायु परिवर्तन, निवेश, आतंकवाद सहित कई और अहम मसलों पर सहमति बनानी होगी। भारत और चीन के बीच 3500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा है और यहां पैनी नजर बनाए रखना भारत के लिए नि:संदेह चुनौती का काम है। कुल मिलाकर भारत के लिए चीन को पीछे हटने पर मजबूर करना बड़ी नैतिक जीत मानी जाएगी। इससे आर्थिक तौर पर भी हम फायदे में रहेंगे क्योंकि सीमा पर 50 हजार सैनिकों की तैनाती पर अरबों रुपये खर्च हो चुके हैं। बहरहालग 1962 की जंग के बाद 59 वर्षों में यह पहला मौका है जब हमने इतना जोश और जज्बा दिखाया है। इसलिए इस पड़ोसी पर विश्वास सोच-समझकर करना होगा।

सहमति की ओर

भारत-चीन के बीच जारी नौ महीने के गतिरोध के बाद लद्दाख स्थित पैंगोंग झील के उत्तरी-दक्षिणी तट पर दोनों देशों के सैनिकों को हटाने पर बनी सहमति स्वागतयोग्य ही कही जायेगी। राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई दौर की बातचीत के बाद एलएसी पर तनाव का कम होना दोनों देशों के हित में ही है क्योंकि दोनों बड़े मुल्कों में टकराव विश्वव्यापी संकट को जन्म दे सकता था। विगत में विदेशमंत्री एस. जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच मास्को में हुई बैठक में तनाव कम करने के लिये पांच सूत्रीय कार्ययोजना पर बात हुई थी लेकिन लंबे समय से इसके सार्थक परिणाम नजर नहीं आये थे। अब इस मुद्दे पर सहमति के बावजूद भारत को सतर्कता में कोई चूक नहीं करनी चाहिए। दशकों से जारी सीमा निर्धारण को लेकर बातचीत चीन के अड़ियल रवैये के चलते किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पायी है। इसके बावजूद चीनी सैनिकों का पीछे हटना सेना के लिये राहतकारी है, जो गलवान घाटी के घटनाक्रम के बाद विषम मौसम में भी हाई अलर्ट पर है। भारत को चीनी मंसूबों की लगातार निगरानी करने की जरूरत है। साथ ही आपसी विश्वास बहाली के लिये निरंतर प्रयास करते रहने होंगे। अतीत में विश्वास तोड़ने की चीनी कोशिशों ने भारतीयों के मन में अविश्वास को जन्म दिया है। इतिहास ने हमें कई कड़वे सबक दिये हैं, खासकर 1962 के आक्रमण में जब शांति की बात करते हुए चीन ने भारतीय नेतृत्व से छल किया। जुलाई, 1962 में पं. नेहरू ने लद्दाख से चीनी सैनिकों की आंशिक वापसी का स्वागत किया था परंतु उसके तीन माह बाद ही चीन ने भारतीय क्षेत्र पर आक्रमण कर दिया था। हालांकि, भारत 1962 की स्थितियों से बहुत आगे निकल चुका है, लेकिन फिर भी सतर्क रहने की जरूरत है। चिंता की बात यह है कि चीनी नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है।

ऐसे में भारत को चीनी कदम के सभी पहलुओं का मूल्यांकन कर कदम बढ़ाने होंगे। राज्यसभा में रक्षा मंत्री के बयान के अनुसार समझौते के बाद चीनी सैनिक पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर फिंगर 8 के पास रहेंगे और भारतीय सैनिक फिंगर तीन के पास रहेंगे। इस बीच दोनों स्थानों के बीच गश्त पर अस्थाई रोक रहेगी। बहरहाल, लंबे गतिरोध के बाद कम से कम एक क्षेत्र से चीनी सैनिकों की वापसी शुरू हुई है। निस्संदेह इस कदम से दोनों देशों के संबंधों में जमी अविश्वास की बर्फ पिघलेगी। इस बात पर सहमति बनी बताई जा रही है कि तनाव के दौरान इस क्षेत्र में हुए निर्माण भी हटाये जायेंगे। इस समझौते के आलोक में इस बात की उम्मीद जगी है कि देप्सांग व गलवान घाटी में बाकी विवादास्पद मुद्दों को सुलझाने की शीघ्र पहल होगी। हालिया सहमति को आधार बनाकर आगे अन्य विवादों को सुलझाने की पहल होनी चाहिए। यह भरोसा तो जगा है कि चीन की तरफ से ईमानदार पहल हो तो तनाव घटाते हुए अन्य विवादों का भी पटाक्षेप हो सकता है। जाहिरा तौर पर सीमा पर आशंकाओं के बादल तो छटे ही हैं। दो सीमाओं पर सुरक्षा की चुनौती से निपटना सेना के लिये भी एक बड़ी चुनौती रही है। उम्मीद जरूर जगी है कि बातचीत के लिये अब अनुकूल वातावरण बनेगा। साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े विवादों के निपटारे की दिशा में दोनों देश आगे बढ़ सकेंगे। निस्संदेह संवादहीनता संबंधों में कई तरह की जटिलताओं को जन्म देती है। बहुत संभव है कि पैंगोंग झील के तटों को लेकर हुआ समझौता आगे की बातचीत का आधार बने। ऐसे में इस सकारात्मक प्रगति का स्वागत ही किया जाना चाहिए। साथ ही लंबे समय तक तनाव और गलवान के जख्मों के बाद दोनों देशों ने जैसा संयम दिखाया, वह भविष्य की बातचीत की राह दिखाने वाला है।

प्रवीण कुमार सिंह

आईएस के हमले

आतंकी समूह 'इस्लामिक स्टेट' द्वारा सीरिया और इराक में किए गए हालिया हमले इस बात का साफ संकेत हैं कि इस दहशतगर्द जमात का खात्मा अभी नहीं हुआ है। सीरिया से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि आईएस के गुर्गों ने दमिश्क में बैठी हुकूमत के कम से कम 26 लड़ाकों को मार गिराया है। उन पर ये हमले सीरिया के पूर्वी हिस्से में किए गए हैं। इसके अलावा, पिछले महीने बगदाद के बाजार में हुए भयानक विस्फोट ने 30 लोगों की जान ले ली थी। उस हादसे से भी इस स्वयंभू 'खलीफा' की सक्रियता का पता लगा था। ताजा मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सीरिया के पूर्वी हिस्से में पिछले महीने से आईएस ने सिलसिलेवार हमले किए हैं, ताकि इस अराजक इलाके में वह आतंक का राज कायम कर सके। हम नहीं भूल सकते कि आईएस इराक व सीरिया में अराजक स्थितियों का फायदा उठाकर ही फला-फूला था। तब इराक की कमजोर हुकूमत और गृहयुद्ध से पस्त सीरियाई सरकार अपने इलाकों की रक्षा करने में असमर्थ थीं। आज पश्चिम के नेतृत्व वाले गठबंधन और रूस व ईरान समर्थित सीरिया सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद यह आतंकी तंजीम फिर से खुद को संगठित करने, और अपने लड़ाकों को हथियार मुहैया कराने में सफल हो रहा है। सनद रहे, अपने उत्कर्ष के दिनों में आईएस न सिर्फ बगदाद और दमिश्क की दहलीज तक पहुंच गया था, बल्कि दुनिया भर में अपने हमख्यालों को प्रेरित-प्रभावित करने लगा था। हालांकि, यह कट्टरपंथी संगठन अब बहुत ताकतवर नहीं रह गया है, पर कटु सच यह भी है कि इसका पूरी तरह से सफाया नहीं हुआ है। साफ है, क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय ताकतें सीरिया और इराक जैसे आईएस से सबसे त्रस्त देशों की हरसंभव मदद करें, ताकि इस दहशतगर्द जमात को पूरी तरह से खत्म किया जा सके। सीरियाई गृहयुद्ध काफी ठंडा पड़ चुका है, जिसमें असद सरकार मजबूत स्थिति में है। इराक में भी हिंसक घटनाओं में काफी कमी आई है। इसलिए, इन दोनों देशों को विश्व बिरादरी की भरपूर मदद मिलनी चाहिए, वरना इस गंभीर खतरे की अनदेखी की कीमत संपूर्ण मध्य-पूर्व को चुकानी पड़ेगी।

भारत ने तोड़ा चीन का तिलिस्म

> पैंगोंग का हल निकालने के बाद अभी हमें देपसांग का मसला भी सुलझाना है, जो सामरिक दृष्टि से ज्यादा अहम इलाका है। यहां दौलत बेग ओल्डी इलाके में चीन की घुसपैठ हमारे लिए चिंताजनक है। इस इलाके के एक तरफ चीन है, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान। यहां भारत ने 255 किलोमीटर लंबी दारबुक-श्योक-डीबीओ रोड़ बनाई है, जो केवल दौसत बेग ओल्डी को काराकोरम से ही नहीं जोड़ती, चीन के वन बेल्ट, वन रोड़ मिशन की चौकस निगरानी के लिहाज से भी महत्त्वपूर्ण है।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी की लिखी यह कविता घर-घर में बच्चों को अक्सर विपरीत हालात में भी पूरी ताकत से संघर्ष की प्रेरणा देने के काम आती है।

कभी-कभी इसकी जरूरत बड़ों को भी पड़ती है और शाब्दिक अथरे में न सही, लेकिन लाक्षणिक अथरे में कुछेक मौकों पर तो देश का समूचा तंत्र भी इस संकल्प से प्रेरित होता दिखता है। पूर्वी लद्दाख में चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की हद में पहुंचाने की सफलता भारतवर्ष के ऐसे ही संकल्प की ताजा मिसाल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की सबसे बड़ी पंचायत के माध्यम से देश को मौजूदा वक्त की यह सबसे बड़ी खुशखबरी दी।

रक्षा मंत्री ने संसद में जो कहा, उसका सार यह निकलता है कि पैंगोंग सो के उत्तरी तट पर चीन अपनी सेना को फिंगर 8 की पूर्व दिशा में रखेगा, जबकि भारत फिंगर 3 के पास अपनी सैन्य मौजूदगी रखेगा। दोनों पक्ष इसी तरह की कार्रवाई दक्षिणी तट पर भी करेंगे। यथास्थिति बहाल करने के लिए इस क्षेत्र में अप्रैल 2020 के बाद हुए किसी भी तरह के निर्माण को हटा दिया जाएगा।

बेशक इस समझौते के बाद फिंगर 8 तक हमारी गश्त रुक जाएगी, लेकिन फिंगर 4 तक चीन की बेरोकटोक आवाजाही पर भी लगाम लगेगी और वो फिंगर 8 से आगे नहीं बढ़ सकेगा। मौजूदा हालात में यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि अप्रैल 2020 में भी ऐसे हालात नहीं थे। चीनी सैनिक पिछले साल मई में फिंगर 4 के रिज एरिया में आकर बैठ गए थे। चीन ने यह हिमाकत पैंगोंग के दक्षिण से उत्तर में आने-जाने के लंबे सफर को आसान करने के लिए की थी। तब चीन को यह लगा होगा कि दो-चार महीने में जब दोनों देश पीछे हटेंगे, तो सलामी स्लाइसिंग वाली उसकी यह स्ट्रैटेजी काम कर जाएगी और वो अपनी हड़प चाल में कामयाब हो जाएगा। सलामी स्लाइसिंग रणनीति के तहत चीन दूसरे देशों की सीमाओं में इंच-दर-इंच विस्तार करता है और फिर उसे अपना कहना शुरू कर देता है। जो देश नरम पड़ता है, वहां चीन अपना विस्तार कायम कर लेता है, लेकिन भारत के साथ चीन का यह दांव उल्टा पड़ गया। सेना के जांबाज जवानों ने दो महीनों में ही फिंगर 4 की ऊंची चोटियों पर पहुंचकर पासा पलट दिया और चीन को उसी की भाषा में जवाब देकर दुनिया को चीन से निपटने का रास्ता भी दिखा दिया। मोर्चे पर जो पक्ष ऊंचाई पर मौजूद होता है, रणनीतिक फायदा उसके साथ होता है और भारत की यही ताकत चीन की कमजोर नस बन गई।

पैंगोंग में चीन जिस तरह कदम पीछे खींचने के लिए मजबूर हुआ है, उसने गलवान की यादें ताजा कर दी हैं। 15 जून को भारतीय सेना से हिंसक झड़प के बाद पीएलए को अपने स्थायी बेस पर लौटना पड़ा था और पैट्रोलिंग प्रोटोकॉल बनने तक गश्त रोकने की सहमति देनी पड़ी थी।

यकीनन इस कामयाबी का बड़ा श्रेय हमारे जवानों को जाता है, जिन्होंने हड्डियां गला देने वाली ठंड में भी तिरंगे की शान बढ़ाकर चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के उस घमंड को भी तोड़ दिया कि भारतीय सेना बर्फीली ऊंचाइयों पर चीन का सामना नहीं कर सकती। जवानों ने इसी के साथ चीन को यह संदेश भी दे दिया कि समस्या का समाधान सिर्फ और सिर्फ उसके पीछे हटने से ही होगा। जवानों के इस हौसले को मोदी सरकार की विदेश और सैन्य नीति के दूरदर्शी प्रयासों ने भी परवान चढ़ाया। इस डिसएंगेजमेंट तक पहुंचने के लिए दोनों स्तरों पर सितम्बर 2020 से बातचीत के कई दौर हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से निर्देश लेते हुए एनएसए अजीत

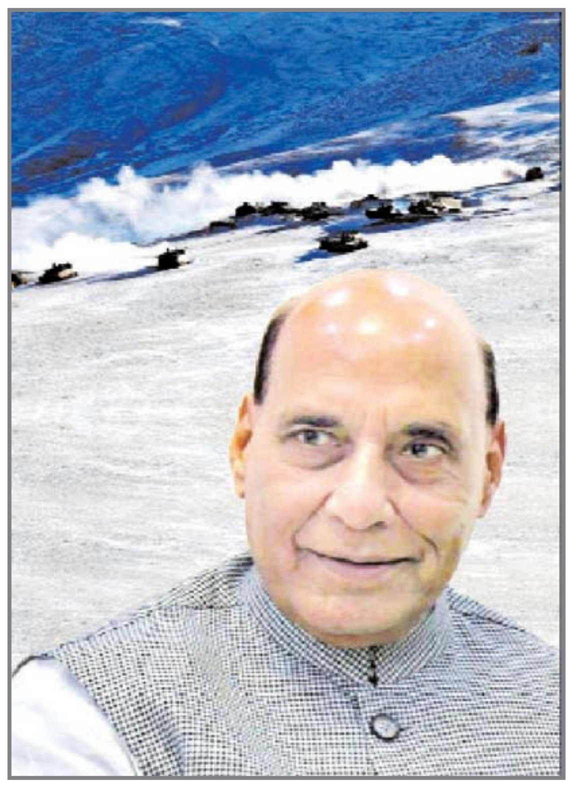

डोवाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच भी पर्दे के पीछे कई बार बातचीत हुई। सदन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस पर औपचारिक मुहर लगाते हुए कहा कि बातचीत की रणनीति और दृष्टिकोण प्रधानमंत्री के इस दृढ़ संकल्प पर आधारित रहा कि भारत अपनी एक इंच जमीन भी किसी और को नहीं लेने देगा।

इसमें कोई दो-राय नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी की आउट ऑफ द बॉक्स सोच ने भी चीन पर नकेल डालने में बड़ी भूमिका निभाई है। बदलती वैश्विक व्यवस्था के साथ संतुलन बनाने की उनकी रणनीति, देश की सामरिक स्वायत्तता को प्रभावित किए बगैर महाशक्तियों से तालमेल, अमेरिका-रूस-ईरान की मुश्किल जियो पॉलिटिक्स के बीच सामंजस्य, इस्राइल और खाड़ी के देशों के साथ मधुर संबंध और कोरोना से लड़ाई में भारत के कद में जबर्दस्त इजाफे जैसी कई बातें हैं, जिनके कारण एक पड़ोसी के रूप में चीन लगातार दबाव में आता गया।

वैश्विक स्तर पर हो रही घेराबंदी ने इस दबाव को चौतरफा बना दिया। लद्दाख में भारतीय जवानों का शौर्य दुनिया के लिए मिसाल बन गया है और अब ताइवान भी चीन को आंख दिखा रहा है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी युद्धपोत ने भी ताइवान के समर्थन में युद्धाभ्यास कर चीन को आने वाले दिनों की चुनौती का इशारा कर दिया है। इससे डोनाल्ड ट्रंप के जाने के बाद अमेरिका से संबंध सुधरने की चीन की उम्मीद भी धराशायी हो गई है। उल्टे जो बाइडेन ने दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी युद्धपोत की संख्या बढ़ाकर चीन को सख्त संदेश दे दिया है। तनाव कम करने के लिए चीन अब अमेरिका से व्यापार के मोर्चे पर हालात सुधारने की बात करने लगा है, लेकिन यहां भी बाइडेन ने भारत को अपना साझेदार बताकर चीन को आईना दिखा दिया है। अमेरिका वैसे भी चीन को भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के ओहदे से बेदखल कर चुका है। चीन के सालाना 2.5 खरब डॉलर के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज तीन फीसद रह गई है, लेकिन अब भी दोनों देशों के बीच 81.87 अरब डॉलर का कारोबार होता है और चीनी सामान के तमाम विरोध के बावजूद भारत आज भी अपने कुल मैन्युफैक्चरिंग का 20 फीसद चीन से आयात करता है। इसीलिए एलएसी के ताजा घटनाक्रम में भारत के साथ चीन के कारोबारी रिश्तों का एंगल भी खारिज नहीं किया जा सकता।

जो बात सबसे ज्यादा गौर करने वाली है, वो यह है कि यह डिसएंगेजमेंट एक लंबी प्रक्रिया की शुरु आत भर है। पैंगोंग का हल निकालने के बाद अभी हमें देपसांग का मसला भी सुलझाना है, जो सामरिक दृष्टि से ज्यादा अहम इलाका है। यहां दौलत बेग ओल्डी इलाके में चीन की घुसपैठ हमारे लिए चिंताजनक है। इस इलाके के एक तरफ चीन है, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान। यहां भारत ने 255 किलोमीटर लंबी दारबुक-श्योक-डीबीओ रोड बनाई है, जो केवल दौलत बेग ओल्डी को काराकोरम से ही नहीं जोड़ती, चीन के 'वन बेल्ट, वन रोड मिशन' की चौकस निगरानी के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। हालांकि इतना तय है कि पैंगोंग की कामयाबी ने जहां एक ओर हमारी सेना और हमारी सरकार की विसनीयता को बढ़ाया है, वहीं इसने चीन को भी दबाव में ला दिया है। चार साल पहले डोकलाम, फिर गलवान और अब पैंगोंग सो के अनुभव के बाद इस मोर्चे पर सोच-समझकर चलना चीन की मजबूरी ही नहीं, समझदारी भी होगी।

वैक्सीन और नोबेल पुरस्कार

कोरोना वायरस महामारी पर विजय हासिल करने की जद्दोजहद में लगे वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को अब सम्मानित करने का अवसर है।

पिछले वर्ष महामारी के कारण ठप पड़ गए जनजीवन को इस वर्ष यदि फिर सामान्य बनाने में सफलता मिलती है तो इसका श्रेय इन्हीं लोगों को जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं लोगों के लिए हमारे बीच रहने वाले सजीव भगवान की संज्ञा दी थी।

विश्व बिरादरी इन लोगों के उपकार का ऋण चुकता नहीं कर सकती। यह जरूर है कि लोगों की उपलिब्धयां आंकने के लिए जो परिपाटी इस दुनिया में है, उसके आधार पर वे सर्वोच्च पुरस्कार के अधिकारी हैं। वर्ष 2021 के शांति के लिए नोबेल पुरस्कार के वास्तविक अधिकारी यही लोग हैं। विश्व बिरादरी की यह जिम्मेदारी है कि वह इस वर्ष के शांति नोबेल पुरस्कार के लिए उन्हें नामित करे और इस पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया जाए। कोई जरूरी नहीं है कि यह पुरस्कार कुछ लोगों या कुछ संस्थानों को दिया जाए। यह एक सामूहिक रूप से दिया जाने वाला पुरस्कार भी बन सकता है। शांति नोबेल पुरस्कार पर जिन व्यक्तियों या संस्थाओं का अधिकार बनता है, उनमें भारत के फाम्रेसी उद्योग की बड़ी दावेदारी है। वास्तव में भारत इन इने-गिने देशों में शामिल हैं जिन्होंने राजनीतिक निर्णय जनता की स्वयं अनुशासित जीवनशैली वैक्सीन विकसित करने से लेकर वैक्सीन उत्पादन तक में हर मोच्रे पर असाधारण क्षमता का परिचय दिया है।

जहां तक वैक्सीन उत्पादन का सवाल है भारत की उत्पाद क्षमता का दुनियाभर में लोहा माना जाता है।

दुनिया में जहां भी वैक्सीन विकसित की गई है, उनके उत्पादन की जिम्मेदारी भारतीय कंपनियों को ही सौंपी गई है। विव्यापी टीकाकरण अभियान अभी अपने प्रारंभिक दौर में है, लेकिन भारत की वैक्सीन उत्पादन इकाइयों ने विश्व मांग को पूरा करने के लिए कमर कस ली है। दुनिया के सौ से अधिक देशों ने भारत से वैक्सीन हासिल करने के लिए अनुरोध किया है। पड़ोसी देशों सहित अफ्रीका और दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के छोटे-बड़े देशों को भारत या तो सहायता स्वरूप निशुल्क वैक्सीन भेज रहा है अथवा व्यावसायिक आधार पर इसका निर्यात किया जा रहा है। भारत की विदेश नीति में 'चिकित्सा कूटनीति' का नया आयाम जुड़ गया है। 'चिकित्सा कूटनीति' के जरिये भारत पड़ोसी देशों के साथ छोटे-मोटे मनमुटाव दूर कर रहा है, दूरदराज के देशों में अपनी साख मजबूत बना रहा है तथा आलोचक देशों की सद्भावना अर्जित कर रहा है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टेलीफोन करके वैक्सीन आपूर्ति की गुहार लगाना इसका एक ज्वलंत उदाहरण है। ट्रूडो ने पिछले दिनों भारत को लोकतांत्रिक विरोध आंदोलन के बारे में नसीहत दी थी। उनके कथन को किसान आंदोलन को शह देने वाला माना गया था। वैसे भी कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व मौजूद हैं और राजनीतिक सत्ता तक उनकी पहुंच है। ट्रूडो ने कनाडा के टीकाकरण अभियान की मजबूरी के कारण भारत के सामने गुहार लगाई। कूटनीतिक मानदंडों के कारण इसे भारत के सामने घुटना टेकने की बात नहीं की गई, लेकिन वास्तव में हुआ ऐसा ही था। भारत जब कनाडा को वैक्सीन की आपूर्ति करेगा तो भारत की यह स्वाभाविक मांग होगी कि कनाडा खालिस्तान तत्वों की नकेल कसे।

भारत के मानवतावादी रुख पर सबसे मार्मिक टिप्पणी दक्षिण अफ्रीका महाद्वीप के छोटे से देश डोमेनिकन रिपब्लिक के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट ने की है। उन्होंने बाइबिल को उद्धृत करते हुए कहा कि 'तुम मांगोगे वह तुम्हें मिलेगा। बीमार को चंगाई मिलेगी।' प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक श्रद्धावान ईसाई हैं तथा बाइबिल के हर शब्द में उनका विश्वास है, लेकिन फिर भी वह कहना चाहेंगे कि उन्हें यह भरोसा नहीं था कि जब वह अपने एक लाख से कम आबादी वाले देश के लिए वैक्सीन मांगेंगे तो वह इतनी जल्दी उन्हें मिल जाएगी। प्रधानमंत्री स्केरिट भारत से वैक्सीन लाने वाले वायुयान की अगवानी करने के लिए स्वयं हवाईअड्डे पर मौजूद थे। उसी परिसर में उन्होंने तरंगे और अपने देश के ध्वज की पृष्ठभूमि में भारत और प्रधानमंत्री मोदी की भावपूर्ण शब्दों में प्रशंसा की। वास्तव में एक छोटे देश की भारत के प्रति ऐसी सद्भावना किसी नोबेल पुरस्कार से कम नहीं है।

छलकन लागीं जब छलिया आंखें

झल्लन आया और चुपचाप बगल में बैठ गया। हमने कहा, 'काहे झल्लन, काहे दुखी लग रहा है, क्या मन में कोई कष्ट पल रहा है?'

झल्लन बोला, 'अब क्या कहें ददाजू, प्रधानमंत्री की बातें मन में बार-बार भावुकता बो रही हैं और हमारी आंखें छलकने-छलकने को हो रही हैं।' हमने कहा, 'ये क्या अजूबा है झल्लन, आखिर ऐसा क्या कह दिया प्रधानमंत्री ने जो तेरे जैसा निंदक उनका प्रशंसक हो गया है और उनकी याद में इतना दुखी हो गया है?' झल्लन बोला, 'का ददाजू, आप भी न जाने कहां पड़े रहते हैं, अपनी संसद में क्या हो रहा है इसकी खबर तक नहीं रखते हैं। देखिए, अपने घोर विपक्षी आलोचक की तारीफ करते-करते हमारे प्रधानमंत्री की आंखें भर आयीं, बस, बड़प्पन वाली उनकी यही अदा हमें खींचकर उनके निकट ले आयी।'

हमने कहा, 'पर झल्लन, इक्का-दुक्का छोड़, बाकी विपक्षी तो प्रधानमंत्री के आंसुओं को उनका नाटक बता रहे हैं। उनका कहना हैं कि तारीफ करके वे संसद से रिटायर हुए सबसे बड़ी निंदक पार्टी के बड़े नेता को पटा रहे हैं।' झल्लन बोला, 'सुनो ददाजू, हम उनमें नहीं हैं जो एक बार विपक्षी हुए तो सिर्फ विपक्ष के ही रह जाएंगे और एक बार जो खडूसिया जिद पकड़ ली तो फिर उसी पर अड़ जाएंगे। अगर विपक्ष की बात सुहाती है तो विपक्ष की कहेंगे और अगर प्रधानमंत्री की बात सुहाती है तो प्रधानमंत्री की सुनेंगे, पर पार्टीबाज नेताओं की तरह अपना दिमाग गिरवी नहीं रखेंगे और न उनकी तरह काले को सफेद और सफेद को काला कहेंगे।'

हमने मुस्कुराकर कहा, 'तो तुझे प्रधानमंत्री की कौन-सी बात सुहा गयी जो तुझे कटु विपक्षी से कट्टर सरकारी बना गयी?'

जवाब में झल्लन भी मुस्कुराया, फिर बोला, 'देखिए ददाजू, आप हम पर तोहमत लगा रहे हैं और जो हम नहीं हैं हमें वही बता रहे हैं।

हम उदार मानुष हैं सो न कभी कटु होते हैं, न कट्टर होते हैं, अपनी समझ बिना बेचे, बिना छल-कपट के बाहर भी वही होते हैं जो अंदर से होते हैं। रही प्रधानमंत्री की बात सुहानी लगने की और प्रधानमंत्री के लिए हमारी सहानुभूति जगने की, तो सुनिए, इधर प्रधानमंत्री ने संसद में जो कुछ कहा वह हमें ईमानदार और सुच्चा लगा और उसके विरुद्ध विपक्ष का रवैया निहायत ही टुच्चा लगा।'

हमने कहा, 'प्रधानमंत्री कहते हैं कि उनकी सरकार और उनके कानून किसानों के हित में हैं, किसानों को लाभ पहुंचाएंगे, किसानों की भलाई उनकी प्राथमिकता में है इससे वह कभी मुंह नहीं चुराएंगे।' झल्लन बोला, 'हमें तो लगता है कि प्रधानमंत्री ओछी राजनीति नहीं कर रहे हैं और जो कह रहे हैं वह कर रहे हैं। और ददाजू, हम यह भी मानते हैं कि किसानों के पवित्र आंदोलन में आंदोलनकारियों के बीच परजीवी आंदोलनजीवी घुस आये हैं, वही लोग किसानों को बरगलाए हैं और इन्हीं की करतूतों के चलते किसानों की समस्या के हल नहीं निकल पाये हैं।' हमने कहा, 'कभी-कभी हमें भी यही लगता है झल्लन कि ऐसे ही तत्वों की वजह से किसान वार्ता की मेज से उठ जाते हैं और अपनी जिद को लेकर जहां बैठे हैं वहीं बार-बार बैठ जाते हैं।' झल्लन बोला, 'वही तो ददाजू, प्रधानमंत्री की बात में पूरी नहीं तो कुछ तो सच्चाई है, उनकी यही सच्चाई हमें उनके निकट ले आयी है। और देखिए, विपक्ष उन्हें रक्तजीवी, चंदाजीवी और क्रोनीजीवी बता रहा है और विपक्ष का यह जहरीला अंदाज हमें बिल्कुल नहीं भा रहा है, हमारे मन में जुजुप्सा जगा रहा है।'

हमने कहा, 'झल्लन, इन हालात को लेकर हमारे मन में भी बड़ी कचोट है और हमारी समझ से पक्ष और विपक्ष दोनों में ही खोट है। दोनों ही एक-दूसरे को झूठा, गलत और लोकतंत्र विरोधी बता देते हैं और अगला चाहे जितना नेक-नीयत और ईमानदार हो उसे देश का गद्दार बना देते हैं। दोनों के बीच संशय और अविश्वास की खाई बहुत गहरी हो गयी है और पक्ष-विपक्ष के शत्रुवत व्यवहार के कारण असामाजिक तत्वों और देशविरोधियों की चांदी हो गयी है। इस झगड़े का फायदा वे उठाना चाहते हैं जो देश की व्यवस्था को तोड़कर उसे मिटाना चाहते हैं।' झल्लन बोला, 'पर ददाजू, हमें तो विपक्ष ही ज्यादा कसूरवार लगता है क्योंकि जब उसे जागना चाहिए तब वह सोता है और जब सोना चाहिए तब जगता है।' हमने कहा, 'बात तो तेरी भी सही है झल्लन, लोकतंत्र में सरकार की कमियों-खामियों से निपटने के लिए एक मजबूत, ईमानदार विपक्ष बहुत जरूरी होता है लेकिन दृष्टिविहीन, नाकारा और निस्तेज विपक्ष लोकतंत्र की मजबूरी होता है। ऐसा विपक्ष स्वयं कोई सार्थक योगदान तो दे नहीं पाता है बल्कि जो सार्थक होता है उसमें भी पलीता लगा जाता है। इस समय विपक्ष सिर्फ यही काम कर रहा है, उसे इस बात की चिंता नहीं है कि इससे यह देश मर रहा है।'

झल्लन बोला, 'ठीक कहे हो ददाजू, सरकार की गलतियों पर एक मजबूत, विचारवान विपक्ष लगाम लगा देता है लेकिन आज के जैसा विचारविहीन, सिद्धांतविहीन और विवेकहीन विपक्ष अपनी करतूतों से सरकार को अधिक उद्दंड बना देता है। सरकार तब तक मनमानी करेगी जब तक विपक्ष मजबूत नहीं हो जाएगा और मजबूत विपक्ष तब तक नहीं उभरेगा जब तक कि मौजूदा विपक्ष पूरी तरह मर नहीं जाएगा।'

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

लखनऊ में अजीत सिंह हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरधारी मुठभेड़ में ढेर, दारोगा घायल

लखनऊ । राजधानी के चर्चित विभूतिखंड इलाके में मोहम्मदाबाद गोहाना के पूर्व जेष्ठ प्रमुख अजीत सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपित शूटर गिरधारी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। गिरधारी तीन दिन की रिमांड पर लाया गया था। पुलिस अभिरक्षा से फरार होने की कोशिश में सोमवार तड़के करीब तीन बजे मार गिराया गया। रिमांड के दौरान गिरधारी ने कबूला कुंटू सिंह और सफेदपोश का पूरा कनेक्शन बताया था। बता दें, गिरधारी के एनकाउंटर की कहानी कानपुर के बिकरू कांड के आरोपी विकास दुबे के मुठभेड़ जैसी ही है। विकास दुबे को भी असलहा छीनकर भागने के प्रयास के दौरान मार गिराया गया था। दारोगा के चेहरे पर सिर से किए शूटर ने वार, छीन ली पिस्टल...

दरअसल, हत्याकांड में इस्तेमाल असलहा बरामदगी के लिए शूटर गिरधारी को कार से पुलिस अभिरक्षा में ले जाया जा रहा था। गोमतीनगर थानाक्षेत्र के खरगापुर रेलवे क्रासिंग के पास पहुंचते ही कार रुकी। पुलिस टीम के साथ गिरधारी उतर ही रहा था कि एकाएक उसने सिर झटकते हुए दारोगा अख्तर उस्मानी के चेहरे पर प्रहार किया। नाक पर सिर के प्रहार से दारोगा को गंभीर चोट आयी। नकसीर फूटने से वह खून से लथपथ हो गए। पुलिस टीम जबतक कुछ समझती गिरधारी ने दारोगा अख्तर उस्मानी की पिस्टल छीन ली।

जंगल में भागा शूटर, शुरू हुआ चूहे-बिल्ली का खेल- पिस्टल छीनकर वह जंगल की ओर भागा। गिरधारी फायरिंग करता हुआ झाड़ियों में जाकर छिप गया। यह देख टीम में शामिल दारोगा अनिल सिंह ने अपनी टीम के साथ गिरधारी का पीछा किया और कंट्रोल रूम को सूचना देकर पुलिस बल मंगाया। गिरधारी झाड़ियों में छिपकर पुलिस पर फायरिंग कर रहा था।

गोली खाने के बाद भी चल रही थी शूटर की सांसे : पुलिस ने गिरधारी को सरेंडर होने के लिए कहा। फोर्स आने के बाद पुलिस ने उस स्थान की घेराबंदी की, जहां गिरधारी झाड़ियों में छिपा था। जवाबी कार्यवाही में पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दी। गिरधारी को गोलियां लगते ही वह चीखता हुआ झाड़ियों में धराशायी हो गया। निढाल होने पर पुलिस टीम असलहा ताने गिरधारी के पास पहुंची। उसे हिलाया-डुलाया। सांसें चल रहीं थीं। पुलिस टीम आनन-फानन उसे लोहिया अस्पताल लेकर पहुंची। जहां, डॉक्टरों ने गिरधारी को मृत घोषित कर दिया।

अजीत हत्याकांड में इस्तेमाल मोबाइल अलकनंदा अपार्टमेंट से बरामद: बीते रविवार को दूसरे दिन रिमांड पर अजीत हत्याकांड के मुख्य शूटर गिरधारी से पुलिस अधिकारी और विवेचकों ने लंबी पूछताछ की। रिमांड पर लिए जाने की सूचना पर वाराणसी पुलिस भी सुबह ही पहुंची। वाराणसी पुलिस ने क्षेत्र नितेश हत्याकांड में पूछताछ की। उससे संबंधित भी गिरधारी ने कई जानकारियां दी। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोबाइल क्षेत्र स्थित अलकनंदा अपार्टमेंट से बरामद कर लिया है। मोबाइल में पुलिस को कई शूटरों के नंबर मिले हैं। उनकी पड़ताल की जा रही है। बताया जा रहा है कि मोबाइल से सिर्फ पांच कॉल ही पूरे हत्याकांड में की गई थीं। गिरफ्तारी देने के लिए दिल्ली भागा था गिरधारी- पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित गिरधारी अपनी गिरफ्तारी देने के लिए ही दिल्ली भागा था। वारदात के बाद उसके पास फोन आया कि तुरंत लखनऊ से भागकर दिल्ली पहुंचो। वहां स्थित एक शॉपिंग मॉल में पुलिस भी पहुंच रही है। मामले की जांच में जुटे विवेचक ने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि वह फोन किसका था। इसके बारे में जानकारी की जा रही है।

पूर्व सांसद के करीबी समेत अन्य की तलाश : इंस्पेक्टर विभूतिखंड ने बताया कि मामले में फरार चल रहे बाहुबली एवं पूर्व सांसद धनंजय सिंह के करीबी विपुल सिंह, शूटर मुस्तफा, शिवेंद्र एवं राजेश तोमर समेत अन्य की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। जल्द ही इन आरोपितों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

गोलियां बरसा कर छलनी किया था अजीत को : बीती छह जनवरी की रात विभूतिखंड क्षेत्र में कठौता चौराहे के पास मऊ जिले के गोहना के पूर्व जेष्ठ प्रमुख अजीत सिंह और उसके साथी मोहर सिंह पर शूटरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई थीं। अजीत को 25 गोलियां मारी गई थीं।

मामले में मोहर सिंह की तहरीर पर आजमगढ़ के कुंटू सिंह, अखंड सिंह, शूटर गिरधारी समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अब तक मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, मुख्य शूटर गिरधारी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इंस्पेक्टर विभूतिखंड चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने शूटर गिरधारी को सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। उसके बाद वहां से उसे लखनऊ जिला जेल भेज दिया गया। शनिवार सुबह 11 बजे उसे रिमांड पर 16 फरवरी सुबह 11 बजे तक लिया गया था।

संक्षिप्त खबर

राजद के कायदे से ऊपर होता जा रहा है तेजप्रताप का कद, पार्टी उन्हें संभाल नहीं पा रही

पटना । राजद विधायक तेजप्रताप यादव ने प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पर तानाशाही का इल्जाम लगाकर पहली बार पार्टी के दायरे और कायदे से बाहर नहीं गए हैं, बल्कि इसके पहले भी वह कई बार ऐसा कर चुके हैं। मगर हर बार उनपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जगदानंद से पहले तेजप्रताप ने अपने दल के वरिष्ठतम नेता रघुवंश प्रसाद सिंह की तुलना एक लोटा पानी से कर दी थी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र पूर्वे को भी सार्वजनिक तौर पर कई बार खरी-खोटी सुना चुके हैं। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में राजद के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिया था। प्रचार भी किया था। फिर भी पार्टी ने उनके खिलाफ कभी कार्रवाई की जरूरत नहीं समझी।

तेजप्रताप के तेवर की पुरानी फाइलें पलटी जा रही हैं। सवाल भी उछाले जा रहे हैं। भाजपा-जदयू हमलावर हैं। राजद के भीतर भी सवाल सुलग रहे हैं। हालांकि लालू परिवार के खिलाफ मुंह खोलने के लिए कोई भी तैयार नहीं है, लेकिन अंदर ही अंदर पूछा जा रहा है कि तेजप्रताप की जगह कोई और होता तो उसके साथ क्या सलूक होता क्या अबतक कार्रवाई से बच पाता लालू प्रसाद के वफादारों की पहली कतार के नेता जगदानंद के खिलाफ अगर किसी और ने मुंह खोला होता तो क्या प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद उसे उसी तरह नजरअंदाज कर देते, जैसा उन्होंने तेजप्रताप को किया है।

महज तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में जिस तरह के आरोपों में पूर्व सांसद सीताराम यादव को राजद से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, उससे ज्यादा बड़ा अपराध तो लोकसभा चुनाव में तेजप्रताप ने किया था। जहानाबाद से वह अपने खास के लिए टिकट चाह रहे थे, जहां से राजद ने सुरेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया था। बात नहीं बनी तो तेजप्रताप ने राजद से अलग लालू-राबड़ी नाम से एक मोर्चा बनाया और राजद के अधिकृत के खिलाफ अपना प्रत्याशी उतार दिया। उन्होंने हेलीकाप्टर से प्रचार तो किया ही, राजद प्रत्याशी पर कई तरह के आरोप भी लगाए। लालू के वोट बैंक में सेंध लगाई, जिसका नतीजा हुआ कि राजद प्रत्याशी को मामूली वोटों से हार का सामना करना पड़ा। लालू प्रसाद के बाद राजद में दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले रघुवंश प्रसाद सिंह को भी तेजप्रताप ने कभी ऐसे ही निशाने पर लिया था। रघुवंश की तुलना उन्होंने एक लोटा पानी से करते हुए कहा था कि राजद में उनके रहने या जाने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। तब रघुवंश बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। कुछ ही दिनों के बाद उनका निधन भी हो गया। राजद में बात भी उठी। लालू परिवार के विरोधियों ने भी मुद्दे को उछाला, लेकिन तेजप्रताप कार्रवाई के दायरे से बाहर रहे। हालांकि लालू ने रांची बुलाकर तेजप्रताप को समझाया तो बाद में उन्होंने माफी मांग ली और सफाई दी।

एसबीआइ बैंक में मजदूर महिलाओं को भी नहीं छोड़ा, ठग लिए इतने रुपये

लखीसराय । मजदूरी करके किसी तरह कुछ रकम बचत करके सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक शाखा बड़हिया में जमा करने पहुंची टाल क्षेत्र की पाली पंचायत के महरामचक निवासी सुबोध साव की पत्नी टुनिया देवी से 50 हजार रुपये की ठगी अज्ञात ठग ने कर ली। जानकारी के अनुसार सुबोध साव अपनी पत्नी टुनिया देवी एवं बच्चे के साथ दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। दिल्ली से कमाकर 50 हजार रुपये की बचत करके टुनिया देवी अपने पुत्र सचिन कुमार के साथ स्टेट बैंक बड़हिया शाखा स्थित अपने खाता में जमा करने पहुंची थी। जमा पर्ची भरने के लिए उसने एक अज्ञात युवक को बोली। पर्ची भरने के दौरान महिला ने बताया कि 500 का 100 नोट उसके पास है। इस पर वह युवक बोला कि हमारे पास दो हजार वाला 50 हजार का नोट उसके पास है जिसे अभी उसने बैंक से निकाला है। उसे खुदरा रुपये चाहिए। उसने महिला से रुपये की अदला-बदली कर लेने को कहा। अज्ञात युवक टुनिया देवी से पांच सौ के नोट वाला 50 हजार रुपये लेकर दो हजार वाला 50 हजार रुपये गिनकर उसे दिया। कुछ देर बाद उसने महिला से दोबारा गिनने के बहाने रुपये ले लिया। रुपये गिनने के क्रम में उसने सारा रुपये रख लिया और दो हजार का एक नोट तथा एक सौ के छह नोट यानी कुल 2,600 रुपये कागज के टुकड़े से लपेटकर दे दिया। इसके बाद जब महिला काउंटर पर रुपये जमा करने पहुंची तो गड्डी में मात्र 2,600 रुपये देखकर उसके होश उड़ गए। महिला बैंक में ही रोने पीटने लगी। घटना की सूचना पर महिला के ससुर मसुदन साव भी बैंक पहुंचे। टाइगर पुलिस के साथ एसआइ ज्योतिष कुमार एवं संजीत कुमार ने बैंक पहुंचकर घटना की जांच की। इस संबंध में बड़हिया थानाध्यक्ष डीके पांडेय ने बताया की इस संबंध में अभी लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

मामूली तकरार में पिता ने गोली मारकर की बेटे की हत्या, पंजाब के तरनतारन की घटना

तरनतारन । जिले के एक गांव में पिता ने ही बेटे की हत्या कर दी। पिता ने मामूली सी बात पर हुई तकरार में गुस्से में आकर बेटे को अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मार दी। इससे गंभीर रूप से घायल बेटे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसको वहां मौत हो गई। घटना जिले के गांव किडिया की है। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया। बताया जात है कि मामूली विवाद के दौरान पिता ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर निकाली और बेटे पर गोली चला दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिा भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, थाना चोहला साहिब के गांव किडिया निवासी किसान सुबेग सिंह का गत रात अपने 30 वर्षीय लड़के राजदीप सिंह के साथ मामूली बात पर तकरार हो गया। इस दौरान राजदीप सिंह ने अपने पिता को शांत करने का प्रयास किया। इसी दौरान सुबेग सिंह ने गुस्से में अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर निकाल ली।

परिवार के लोग कुछ समझ पाते और बीच-बचाव कर पाते उससे पहले ही सुबेग सिंह ने बेटे राजदीप पर गोली चला दी। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया। इसके बाद परिवार के लोग गंभीर हालत में राजदीप को अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने राजदीप सिंह को मृतक घोषित कर दिया गया। घटना की जानाकरी मिलने के बाद पुलिस पहुंची। थाना प्रभारी यादविंदर सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम लिए सिविल अस्पताल तरनतारन भेज दिया गया है।

मजदूरों के लिए सरकार पूरी व्यवस्था करेगी, उनके बच्चों का खर्च भी उठाएगी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुरादाबाद। मुरादाबाद मंडल के निर्माण श्रमिकों की 2600 बेटियों की सामूहकि शादी कराई गई। इस दौरान सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचे। सीएम योगी ने कहा कि सामूहकि ववाह योजना बेहतर है, इसके माध्यम से सवा लाख कन्याओं का ववाह कराया जा चुका है। आज हाई लेवल की शादी है, इस सामूहकि ववाह में सीएम को भी आना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोड़ों को प्रदेश सरकार की शुभकामनाएं हैं, सामूहिकता भारतीयता की पहचान है, जीवन में सामूहिकता का महत्व है। सामूहिकता का नतीजा है कि इतना बड़ा आयोजन हो सका। वैश्विक महामारी से बचाने के लिए पीएम ने लाकडाउन का निर्णय लिया। पीएम के नेतृत्व में आज देश सुरक्षित है। 54 लाख मजदूरों को कोरोना काल में भत्ता दिया गया। कोरोना काल में कोई भी भूखा नहीं सोया। राष्ट्र का निर्माण करने वालों श्रमिक मजदूरों की पूरी व्यवस्था सरकार करेगी, इसके अलावा श्रमिकों के बच्चों का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी। कहा कि जनधन योजना में पैसे भेजे गए। 12 करोड़ किसानों के खातों में सम्मान निधि पहुंची। देश को कोरोना महामारी से पीएम ने बचाया, सरकार ईमानदारी से परिवर्तन लाना चाहती है। इससे दलालों को परेशानी हो रही है। इस दौरान सीएम ने केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का बखान किया। कहा कि बेटी सबकी होती है। इसलिए सामूहिक विवाह योजना चलाई गई है। बिना किसी विवाद के विवाह हो रहा है। शादी का कार्ड कमिश्नर और डीएम ने बांटे, इससे सामूहिकता का दर्शन हो रहा है। इस दौरान 183 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कयिा गया।

तैयार कराए गए थे पकवान

इस कार्यक्रम में मेहमानों के आने का सुबह से ही शुरू हो गया था। घराती और बरातियों के लिए पकवान तैयार कराए गए थे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रही। आयोजन में शामलि होने के लिए श्रम एवं सेवायोजन मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य देर रात को ही मुरादाबाद पहुंच गए थे। इसके अलावा आयोजन में कई अन्य मंत्री और विधायक भी शामिल हुए। सर्किट हाउस के पीछे बुद्धि विहार फेस-दो में निर्माण श्रमिकों की बेटियों की सामूहिक शादी के लिए व्यवस्थाएं की गईं थी। पिछले पांच दिन से टेंट लगाने का काम चल रहा था। पंडित के अलावा मौलाना और अन्य धर्मों के वैवाहिक कार्यक्रम कराने वाले धर्मगुरु भी पहुंचे थे। सुबह दस बजे से पहले ही सामूहिक शादी के कार्यक्रम में दूल्हा और दुल्हन का अपने परिवार समेत पहुंच चुके थे। कार्यक्रम स्थल पर खाने की व्यवस्था की गई थी। वीआइपी के लिए खाने का अलग से इंतजाम किया गया था।

बड़ी जिम्मेदारी हो गई पूरी

इस सामूहिक शादी का आम से लेकर खास तक गवाह बने। बेटियों की शादी और निकाह होने पर उनके माता-पिता भी काफी खुश नजर आए। वजह ये थी सरकार की योजना के माध्यम से उनकी एक बड़ी जिम्मेदारी पूरी हो गई। उनका कहना था कि आज उनके सपने पूरे हो गए। बटियों की शादी माता-पति की बड़ी जिम्मेदारी होती है, आज काफी सुकून मलिा, बेटी ससुराल चली जाएगी।

इस सामहिक शादी में शादी के बंधन में बंधने वाले जोड़ों और निकाह पढ़ने वाले जोड़ों में गजब का उत्साह दिखा। जीवन की नई शुरुआत को लेकर उनके चेहरे पर उमंग साफ नजर आ रहा था। हालांकि एक युवती रानी को कुछ निराश होना पड़ा। दरअसल उसके दूल्हे को चंडीगढ़ से आना था, ऐन वक्त पर पता चला कि जिस बस से युवक आ रहा था वह बस खराब हो गई है। ऐसे में सज-धजकर वह होने वाले पति के आने की राह देख रही है।

यूपी के प्राइमरी स्कूलों की छह महीने में बदलेगी सूरत, छात्रों की दक्षता बढ़ाने को शुरू होगा प्रेरक मिशन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्राइमरी स्कूलों में बेहतर शिक्षा और छात्रा की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रेरक मिशन शुरू करने जा रही है। सरकार का दावा है कि प्रेरक मिशन छह महीने में प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर को बदल देगा। प्रदेश के सभी जिलों में पहले एक प्रेरक विद्यालय बनाया जाएगा। इसी तर्ज पर पूरे जिले के विद्यालयों को प्रेरक विद्यालय के रूप में तैयार किया जाएगा। यही नहीं, सरकार की ओर से निर्धारित तीसरी संस्था प्रेरक विद्यालयों के बचों की दक्षता की जांच करेगी। संस्था की जांच में खरा उतरने के बाद उसे प्रेरक विद्यालय व जिला का खिताब दिया जाएगा। इसके अलावा यहां पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रेरक शिक्षक के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश की योगी सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही है। परिषदीय स्कूलों के बचों की भाषा और गणित में दक्षता बढ़ाने के लिए पूरे प्रदेश में प्रेरणा ज्ञानोत्सव अभियान की शुरूआत की गई है। बचों को आधारभूत लर्निंग कौशल बढ़ाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इसे लेकर अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार ने दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। कक्षा एक से तीन तक छात्रों की दक्षता की पहचान 14 बिंदुओं पर की जाएगी, जबकि कक्षा चार व पांच के छात्रों की दक्षता की पहचान 16 बिंदुओं पर होगी। इन बिंदुओं के हिसाब से शिक्षकों को छात्रों को तैयार करना होगा। शिक्षक के प्रेरक विद्यालय घोषित करने के बाद तीसरी संस्था बचों की दक्षता की जांच करेगी।

छह महीने में ब्लाक को बनाना होगा प्रेरक ब्लाक - जिले के परिषदीय स्कूलों में इस योजना को ब्लाक स्तर पर चलाया जाएगा। बीएसए लखनऊ दिनेश कुमार के मुताबिक पहले ब्लाक के एक विद्यालय को प्रेरक विद्यालय के रूप में डेवलप किया जाएगा। इसी तर्ज पर पूरे ब्लाक के विद्यालय प्रेरक विद्यालय के रूप में डेवलप होंगे। एक ब्लाक पूरा होने के बाद दूसरे ब्लाक में इस योजना को शुरू किया जाएगा। प्रेरक ब्लाक बनाने के लिए शिक्षकों को छह महीने का समय दिया जाएगा। असल में कोराना काल के दौरान करीब 11 महीने तक बचों के स्कूल बंद रहे हैं।

प्रेरणा ज्ञानोत्सव अभियान में बढ़ाई जाएगी छात्रों की दक्षता - उत्तर प्रदेश के कक्षा एक से पांच तक के परिषदीय विद्यालय एक मार्च से फिर से खुल रहे हैं। कोरोना संक्रमण के दौरान प्राथमिक विद्यालयों वह बचें जो नियमित रूप से इंटरनेट के जरिए पढ़ाई नहीं कर पाए। उनकी दक्षता को बढ़ाने के लिए इस प्रेरणा ज्ञानोत्सव अभियान का चलाया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार की ओर से जारी निर्देशों में शिक्षकों को कुछ निर्धारित बिंदुओं पर छात्रों का कौशल जांचना होगा। साथ ही उनको इन्हीं बिन्दुओं के आधार पर छात्रों में लर्निंग कौशल बढ़ाना होगा।

एलजेपी में फिर बड़ी बगावत- जेडीयू के साथ जा रहे पांच दर्जन नेता, चिराग पर करेंगे धोखाधड़ी का मुकदमा

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी में बगावत व भगदड़ का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते जनवरी में पार्टी के 27 नेताओं ने एक साथ इस्तीफा देकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अपना समर्थन दिया था। एलजेपी में एक बार फिर बड़ी बगावत तय हो गई है। पार्टी के लगभग पांच दर्जन नेता 18 फरवरी का एक साथ जनता दल यूनाइटेड में शामिल होंगे। बागी नेता पार्टी के राष्?ट्रीय अध्?यक्ष चिराग पासवान के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा भी करेंगे।

18 फरवरी को जेडीयू में शामिल होंगे एलजेपी के पांच दर्जन बागी

एलजेपी के बागी नेता केशव सिंह के आवास पर दीनानाथ क्रांति की अध्यक्षता में पार्टी के बागियों की बैठक हुई, जिसमें करीब पांच दर्जन नेताओं ने जेडीयू में शामिल होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हाथ मजबूत करने का फैसला किया। केशव सिंह ने बताया कि ये नेता 18 फरवरी को जेडीयू कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे। मिलन समारोह में ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव, जल संसाधन मंत्री संजय झा, शिक्षा मंत्री विजय चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, पूर्व मंत्री महेश्वर हजारी, विधान पार्षद नीरज कुमार तथा मुख्य प्रवक्ता संजय सिंह शामिल रहेंगे।

एलजेपी के बागियों की बैठक में पार्टी पर धोखाधड़ी का मुकदमा करने का भी फैसला किया गया। बागियों का आरोप है कि चिराग ने झूठ का सहारा लेकर 94 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को ठगा।

फरवरी 2019 में 25 हजार सदस्य बनाने वालों को ही विधानसभा चुनाव का टिकट देने की घोषणा की गई, लेकिन बड़ी राशि वसूलने के बाद उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

पैसे लेकर के लिए एनडीए से बाहर जाकर ऐसे-ऐसे लोगों को टिकट दिए गए, जिन्होंने न तो पार्टी के लिए सदस्यता अभियान चलाया, न ही उसमें शिरकत की। बैठक में लिए फैसले के अनुसार बागी नेता केशव सिंह, रामनाथ रमण, कौशल किशोर सिंह और दीनानाथ क्रांति भारतीय दंड विधान की धारा 420, 406 व 409 के तहत चिराग पासवान पर अलग-अलग मुकदमा दाखिल करेंगे।

यूपी विधान परिषद के नवनिर्वाचित सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के नवनिर्वाचित सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने सोमवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राजेन्द्र चौधरी को कार्यकारी सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने उच सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। पिछले दिनों वह शपथ ग्रहण करने नहीं पहुंच सके थे। उनकी ओर से पत्र के माध्यम से किसी अन्य दिन शपथ लेने की जानकारी दी गई थी।

बता दें कि हाल ही में उत्तर प्रदेश विधान परिषद में 12 सदस्य नवनिर्वाचित हुए हैं, जिनमें कुंवर मानवेंद्र सिंह समेत भारतीय जनता पार्टी के 10 और समाजवादी पार्टी के दो सदस्य शामिल हैं। पांच फरवरी को भारतीय जनता पार्टी के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने सदस्यता की शपथ ग्रहण की थी। कार्यकारी सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने तिलक सभागार में अरविंद कुमार शर्मा, अश्विनी त्यागी, गोविंद नारायण शुक्ला, डॉ. दिनेश शर्मा, धर्मवीर प्रजापति, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, स्वतंत्र देव सिंह व सुरेंद्र चौधरी को विधान परिषद सदस्यता की शपथ दिलाई थी। उस दिन सपा के राजेंद्र चौधरी शपथ ग्रहण करने

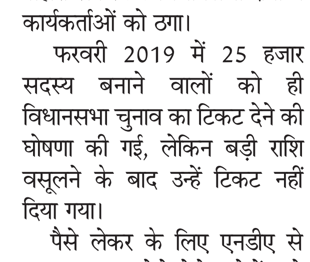

नहीं पहुंच सके थे। उनकी ओर से पत्र द्वारा किसी अन्य दिन शपथ लेने की जानकारी दी गई थी।

यूपी पुलिस के बर्खास्त सिपाही ने दी धमकी, कहा- करूंगा तीन सीरियल मर्डर, रोक सको तो रोक लो

गोरखपुर । बस्ती के बर्खास्त सिपाही ने गोरखपुर में सीरियल मर्डर करने की धमकी देकर सनसनी फैला दी है। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई कैंट पुलिस ने कुशीनगर के रहने वाले सिपाही के खिलाफ धमकी और आईटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। साइबर सेल और सर्विलांस टीम की मदद से सिपाही के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। सूचना है कि बस्ती पुलिस ने भी बर्खास्त सिपाही के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज किया है।

कुशीनगर जिले का रहने वाला है आरोपित सिपाही, तलाश में जुटी क्राइम ब्रांच- कुशीनगर जिले का रहने वाला सिपाही दिग्विजय राय बस्ती जिले के कप्तानगंज थाने में तैनात था। तीन और चार दिसंबर 2020 को इसकी ओर से पुलिस लाइन में अमर्यादित व्यवहार भी किया गया। अधिकारियों के बारे में अनर्गल प्रलाप किया गया। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो भी अपलोड किया गया। 10 दिसंबर को वापस आने के बाद आरोपित सिपाही ने पुलिस लाइन में हंगामा खड़ा कर दिया, कुर्सियां तोड़ी। इसके बाद फिर फेसबुक पर लाइव होकर एक अमर्यादित पोस्ट डाली दी। मामले का संज्ञान लेते हुए एसपी हेमराज मीणा उसे बर्खास्त कर दिया। जिसके बाद दिग्विजय ने कप्तान को जान से मारने की धमकी दे दी। अधिकारियों के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर कप्तानगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

दो दिन पहले दिग्विजय ने फेसबुक पर लाइव होकर गोरखपुर पुलिस को चैलेंज देते हुए कहा कि शहर में लगातार तीन हत्या करेगा। गोरखपुर पुलिस के अंदर दम है तो रोक ले। 14 फरवरी को मोहद्दीपुर में पहली हत्या करेगा। हत्या किसकी और क्यों करेगा यह वारदात के बाद ही पता चलेगा। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आयी गोरखपुर पुलिस ने सिपाही की खोजबीन शुरू कर दी। डीआइजी/एसएसपी जोगिंदर कुमार के आदेश पर मोहद्दीपुर चौकी प्रभारी अरविंद सिंह ने बर्खास्त सिपाही के खिलाफ धमकी और आईटी एक्ट का कैंट थाने में केस दर्ज कराया। सीओ कैंट सुमित शुक्ला ने बताया है कि शहर में हत्या करने की धमकी देने वाले बर्खास्त सिपाही की तलाश चल रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अपनों से ही खफा है दिग्विजय- सिपाही की तलाश में गोरखपुर के अलावा कुशीनगर व बस्ती में पुलिस छापेमारी कर रही है। पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। बस्ती जिले में तैनात इंस्पेक्टर व थाने के ड्राइवर की सुरक्षा बढ़ा दी है। दोनों का परिवार गोरखपुर में रहता है। कुशीनगर के तरयासुजान क्षेत्र का रहने वाला सिपाही बस्ती जिले के कप्तानगंज थाने पर तैनात था। अर्मायादित व्यवहार करने पर थानेदार राजकुमार पांडेय ने एसपी को रिपोर्ट भेजी थी। जिसके आधार पर दिग्विजय राय निलंबित कर दिया गया था। कार्रवाई के बाद दिग्विजय ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो शेयर कर कप्तान, थानेदार समेत सात पुलिकर्मियों को गोली मारने की धमकी देने लगा। वीडियो वायरल होने पर एसपी ने बर्खास्त कर दिया। थानेदार ने मुकदमा दर्ज कर दिग्विजय राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस सूत्रों की माने तो दिग्विजय अपने ऊपर हुई कार्रवाई का जिम्मेदार थानेदार राजकुमार पांडेय समेत सात पुलिसकर्मियों को मान रहा है। जिसमें राजकुमार पांडेय व थाने के ड्राइवर राजकुमार सिंह का परिवार गोरखपुर में रहता है। 14 फरवरी को दोनों लोगों के गोरखपुर में होने की सूचना थी। दिग्विजय भी शनिवार की रात में नौ बजे तक गोरखपुर में मौजूद रहा। तलाश शुरू होने पर फरार हो गया। एहतियात के तौर पर पुलिस अधिकारियों ने गोरखपुर में रहने वाले इंस्पेक्टर व ड्राइवर के परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है।

किसान हमारे दिल में बसते हैं, वो किसी के बहकावे में ना आएं : शाहनवाज

जयपुर, (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने किसान आंदोलन को लेकर राजस्थान में बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि किसान हमारे दिल में बसते हैं, वो हमारे अपने हैं और किसी के बहकावे में ना आएं। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, किसानों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने संसद में विस्तार से बातचीत की है और वही हमारी पार्टी और सरकार का रुख है। किसान हमारे दिल में बसते हैं, वो हमारे अपने हैं और वो किसी के बहकावे में ना आएं, वे जो भी कानून सरकार ने बनाया है वो उनके हित में बनाया है।

उन्होंने कहा, मैंने किसानों के साथ चर्चा में कई बार कहा है कि ना मंडी होगी और न आढ़त खत्म होगी और ना ही एमएसपी खत्म होगी। हुसैन ने कहा, अभी लोग कहते हैं कि सरकार बहुत अडिग है लेकिन सरकार तो चार कदम बढ़ी है। हमने कहा कि हम डेढ़ साल के लिये कानूनों को स्थगित करते हैं... आपसे विचार-विमर्श करके कानून बनाएंगे। अब हर चीज पर शर्तें लादने से बातचीत नहीं होती। बातचीत का मतलब होता है बातचीत। एक तरफा बातचीत को बातचीत नहीं कहते।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा राजस्थान दौरे के दौरान प्रधानमंत्री पर की गई टिप्पणी को लेकर उन्होंने आरोप लगाया, जिस तरह के शब्द राहुल गांधी बोलते हैं काश वो चिंता करें कि क्या प्रधानमंत्री के लिये ऐसे शब्दों का उपयोग सही है। उन्होंने राजस्थान के उद्योगपतियों को बिहार में उद्योग लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार में बड़ी तादात में राजस्थान के लोग हैं और वे हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। पेट्रोल-डीजल की बढती कीमत पर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जो भी कीमत बढ़ी है, उसका उपयोग देश की जनता के लिये ही किया जा रहा है।

भारत में कोरोना के 11,649 नए मामले आए

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 11,649 नए मामले आए हैं। इसके बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 1,09,16,589 पहुंच गई है। साथ ही कोरोना की वजह से 90 और मरीजों की जान गई है। महामारी से कुल मौतों की संख्या 1,55,732 हो गई है। वहीं, देश में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 1,39,637 है। कुल डिस्चार्ज मामलों की संख्या 1,06,21,220 है। देश में कुल 82,85,295 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगी है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना संक्रमण के 4,092 नए मरीजों की पुष्टि हुई, जबकि 40 संक्रमितों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में संक्रमण के कुल मामले 20,64,278 हो गए हैं, जबकि मृतक संख्या 51,529 पहुंच गई है। विभाग ने बताया कि राज्य में 1355 मरीजों ने संक्रमण को मात दी है।

बस्ती। माध्यमिक शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को भेजा 3 सूत्रीय ज्ञापन।

भगवद् गीता और पीएम मोदी की तस्वीर को अंतरिक्ष में लेकर जाएगी सेटेलाइट

नई दिल्ली, (संवाददाता)। फरवरी के आखिर में लॉन्च होने वाली एक सेटेलाइट अपने साथ भगवद् गीता को अंतरिक्ष में लेकर जाएगी। इसी के साथ उस पर पीएम मोदी की तस्वीर भी लगी होगी और उनका नाम भी लिखा होगा। इस नैनो सेटेलाइट का नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को आकार देने वाले महान व्यक्तित्व सतीश धवन के नाम पर पड़ा है। निजी क्षेत्र का यह पहला उपग्रह होगा जो दूसरे अंतरिक्ष मिशन की तरह भगवद् गीता, पीएम के नाम के साथ 25 हजार लोगों के नामों को लेकर अंतरिक्ष में जाने वाला है। पोलर सेटेलाइट लॉन्च व्हिकल द्वारा इसे लॉन्च किया जाएगा। इस नैनो सेटेलाइट को स्पेसकिड्स इंडिया द्वारा डेवलप किया गया है। ये एक ऐसी संस्था है जो छात्रों के बीच अंतरिक्ष विज्ञान को बढ़ावा देती है। ये सेटेलाइट तीन अन्य पेलोड्स अपने साथ लेकर जाएगी जिसमें अंतरिक्ष विकिरण, मैग्नेटोस्फीयर का अध्ययन और जो कम बिजली चौड़े क्षेत्र के संचार नेटवर्क का प्रदर्शन करना शामिल होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरपर्सन डॉ के सिवन और वैज्ञानिक सचिव डॉ आर उमामहेश्वरन का नाम नीचे के पैनल पर लिखा गया है। इसरो की सिफारिशों के बाद डिजाइन में बदलाव किए जाने के बाद सेटलाइट श्रीहरिकोटा के स्पेसपोर्ट में भेजा जाएगा। इस सेटेलाइट का प्रक्षेपण इसरो अपने विश्वसनीय ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी सी-51 से दो अन्य निजी उपग्रहों के साथ करेगा। भारत ने पिछले साल स्पेस सेक्टर को प्राइवेट क्षेत्रों को खोल दिया था।

यह भारत द्वारा डेवलप की गई दो सेटेलाइट में से एक है जिसे पहली बार लॉन्च किया जाएगा। पीएसएलवी -सी51 मिशन को 28 फरवरी के लिए निर्धारित किया गया है, जो ब्राजील के पृथ्वी अवलोकन सेटेलाइट अमोनिया -1 को प्राथमिक सेटेलाइट के रूप में 20 सह-यात्री सेटेलाइट के रूप में ले जाएगा, जिसमें इसरो के एक नैनोसैटेलाइट, एक अकादमिक संघ द्वारा तीन यूनिटीसैट और एक प्रदर्शन उपग्रह भी शामिल है। दिसंबर 2022 तक 30 पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों का एक तारामंडल बनाने की योजना बनाई है जो हर 24 घंटे में वैश्विक कवरेज प्रदान करेगा।

भारत ही नहीं, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में भी सरकार बनाना चाहती है भाजपा : बिप्लब

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने एक बार फिर अजीबोगरीब बयान दिया है। राज्य की राजधानी अगरतला में भाजपा के एक कार्यक्रम में बिप्लब देब ने कहा कि उनकी पार्टी की योजना सिर्फ देश ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों में भी सरकार बनाने की है। बिप्लब देब ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की नेपाल और श्रीलंका में भी सरकार बनाने की योजना है।

बिप्लब देब ने अमित शाह से काफी पहले हुई बातचीत के आधार पर यह दावा किया। दोनों के बीच यह बातचीत सन 2018 में हुए त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के समय हुई थी। इस चुनाव में भाजपा ने त्रिपुरा में लेफ्ट को हराकर सरकार बनाई थी। बिप्लब देब ने कहा कि उस समय भाजपा के अध्यक्ष रहे अमित शाह ने एक बैठक के दौरान भारत के सभी राज्यों में जीतने के बाद विदेशों में जीत दर्ज करने की योजना के बारे में बताया था। बिप्लब देब ने बताया कि हम स्टेट गेस्टहाउस में बात कर रहे थे जब भाजपा के उत्तर पूर्व के क्षेत्रीय महासचिव अजय जामवाल ने कहा कि भाजपा ने कई राज्यों में सरकार बना ली है। इसके जवाब में अमित शाह ने कहा कि अब श्रीलंका और नेपाल बचे हैं। हमें नेपाल और श्रीलंका में पार्टी का विस्तार करना है और वहां सरकार बनाने के लिए जीतना है। बिप्लब देब ने अमित शाह के नेतृत्व की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भाजपा जल्द ही केरल में कांग्रेस और लेफ्ट के बीच सत्ता के हस्तांतरण के चलन को बदल देगी और दक्षिणी राज्यों में भी जीतेगी। इससे पहले सन 2018 में ही उन्होंने कहा था कि इंटरनेट और सेटेलाइट कम्युनिकेशन महाभारतकाल में भी मौजूद थे।

अगर भारत को समर्थ बनाना है, तो हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना होगा : बिरला

जयपुर, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज भारत किसी भी चुनौती का सामना करने में समर्थ है। यह हमारी शक्ति है कि जब भी कोई चुनौती सामने आती है, तो हमारे भीतर उसका सामूहिक रूप से मुकाबला करने की सामर्थ्य भी पैदा हो जाती हैं। उन्होंने कहा आज अगर हमें समर्थ भारत बनाना है, तो हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना होगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला धानक्या रेलवे स्टेशन पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक पर आयोजित आत्मनिर्भर भारत, सक्षम भारत विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे। उन्होंने कहा उस समय जब हम विचार करते थे कि बिना चीन के माल के फर्नीचर और बिजली कैसे होगी और गांव में भी छोटी सी टार्च मेड इन चाइना मिलती थी। चप्पल मिलेगी तो मेड इन चाइना मिलेगी। कितने कम समय के अंदर इतना बड़ा बदलाव पैदा हो गया था कि हम हर चीज पर चीन या अन्य देशों पर निर्भर हो गए थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा लगने लगा था कि अगर अन्य देशों से कच्चा माल या तैयार माल नहीं मिलेगा तो भारत में उत्पाद नहीं बन पाएंगे। लेकिन इतने कम समय के अंदर ही हमने उन सब चीजों में परिवर्तन करने का काम किया। बिरला ने कहा कि यह विचार से होता है, संकल्प से होता है और यह विचार संकल्प पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों और पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर शोध करने वाले शोधार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

110 सीटों वाले गुपकार के 5 चेयरमैन

श्रीनगर, (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में गत नवंबर-दिसंबर में हुए पहले जिला विकास परिषद चुनाव में पीपुल्स एलायंस ऑफ गुपकार (पीएजीओ) को झटका लगा है। 20 जिलों में हुए इस चुनाव में नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी ने पीएजीओ के बैनर तले चुनाव लड़ा। एलायंस ने इन 280 सीटों में से 110 सीटें जीती थीं। वहीं, भाजपा को 75 और कांग्रेस को महज 26 सीटें ही हासिल हुई थीं। ज्यादा सीटें जीतने के हिसाब से गुपकार को उम्मीद थी कि वह कांग्रेस के सहयोग से 13 चेयरमैन बना लेगा, लेकिन वह 5 ही चेयरमैन बना सका।

कांग्रेस तो एक भी चेयरमैन नहीं बना सकी। दूसरी ओर, भाजपा ने जम्मू क्षेत्र की 6 जिला परिषद में अपने चेयरमैन बनवा लिए। पुंछ जिले में एक निर्दलीय चेयरमैन बनने में सफल रहा। अब तीन जिलों किश्तवा, राजौरी और रामबन में चेयरमैन चुना जाना बाकी है।

प्रत्येक जिला परिषद में 14 सदस्यों को मतदान के जरिए चुना गया है। इन्हीं ने चेयरमैन व वाइस चेयरमैन के चुनाव में हिस्सा लिया। इनके चुनाव 4 चरणों में कराए गए। गुपकार का खेल बिगने के खेल के केंद्र में अल्ताफ बुखारी का दल जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी रही, जिसने भाजपा की बी टीम की भूमिका निभाई। शोपियां में गुपकार ने सात सीटें जीतीं थी, लेकिन उसके जीते दो प्रत्याशी अपनी पार्टी में चले गए। रही कसर दो निर्दलियों के गठबंधन के खिलाफ जाने से पूरी हो गई। श्रीनगर में भी अपनी पार्टी ने गच्चा दिया। ऐसे ही समीकरणों में पीपुल्स कांफ्रेंस ने बडगाम, बारामुला और कुपवाा में गुपकार को मात दी।

चमोली हादसे में अब तक 53 लोगों की मौत

चमोली, (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में आई आपदा में अब तक 53 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। तपोवन में एनटीपीसी की सुरंग से 8 और इसके बाहर से 2 शव बरामद किए जा चुके हैं। आशंका जताई जा रही थी कि सुरंग के अंदर करीब 35 लोग फंसे थे।

इसके अलावा पूरे इलाके से अब तक 154 लोग लापता हैं। सुरंग के अंदर बचाव कार्य पिछले 9 दिनों से लगातार जारी है, लेकिन बड़ी मात्रा में मलबा जमा होने की वजह से रेस्क्यू की रफ्तार धीमी है। अब तक 140 मीटर तक का मलबा ही साफ किया जा सका है। सुरंग के अंदर ड्रिल के करके भी फंसे हुए लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इसमें अभी तक कामयाबी नहीं मिली है।

इस बीच सुरंग से लाशों का मिलना शुरू हो गया है। इसके बाद बाहर इंतजार में खड़े परिजनों का हौसला टूटने लगा है। रविवार को टनल से आलम पुंडीर की लाश मिली, वह इलेक्ट्रिशियन था। लाश की पहचान करते हुए उसके भाई सूरज पुंडीर ने कहा मुझे समझ नहीं आ रहा है कि मैं क्या बोलूं, जब अधिकारियों ने मेरे भाई की लाश की पहचान कराई तो मेरी सारी उम्मीद मर गई, मेरे भाई की पांच बेटियां हैं, सबसे छोटी वाली की उम्र 8 माह है, अब मैं उन्हें क्या जवाब दूंगा। इसी तरह टनल में फंसे सहारनपुर के इंजीनियर सादिक अली के पिता शराफत अली भी तपोवन टनल के बाहर बेचैन हैं।

उनका कहना है कि जब से टनल से लाशों के मिलने का सिलसिला शुरू हुआ है, तब से मेरे पैर कांप रहे हैं, मेरी सभी उम्मीद खत्म हो गई हैं, अब लगता है कि कभी भी अफसर मुझे बुलाकर बेटे की लाश की पहचान करने के लिए कह सकते हैं।

तबाही वाले दिन यानी 7 फरवरी को सैलाब में पुल बह जाने से मलारी समेत कई गांवों का संपर्क जिले से कट गया था। कल सेना ने गांवों को जोड़ने के लिए एक पैदल पुल तैयार कर दिया, जिसकी मदद से गांवों में फंसे कई लोग इस पार पहुंच पाए। कई गांवों में पानी की सप्लाई भी प्रभावित हुई थी, जिसे अब दुरुस्त कर दिया गया है।

गढ़वाल डिविजनल कमिश्नर रविनाथ रमन ने बताया की पहला शव टनल के 130 मीटर भीतर रविवार सुबह 5:30 बजे पाया गया और बाकी चार शव 10 मीटर दूर पाए गए। अब रेस्क्यू टीम इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। डीआईजी (लॉ एंड ऑर्डर) नीलेश आनंद भरणे ने बताया कि 51 शवों में से 24 की पहचान की जा चुकी है। साथ ही 23 शवों के अंगों की पहचान भी हो चुकी है। जिन लोगों की पहचान की गई है उनमें से 11 लोग उत्तराखंड के, 9 उत्तर प्रदेश, दो जम्मू कश्मीर, और एक-एक हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश से थे। इंजीनियरों की टीम और रेस्क्यू टीमों ने टनल को खोद बोरवेल बना ली है। बोरवेल से रेस्क्यू टीम मिट्टी हटाने का काम कर रही है। इसी दौरान पहला शव बरामद किया गया था। गढ़वाल के डिविजनल कमिश्नर रमन ने कहा कि ढाई किलोमीटर भीतर तक टनल को साफ किया गया है क्योंकि शव कहीं भी हो सकते हैं। ऑपरेशन जारी है। उन्होंने कहा कि कुछ और कर्मचारी भीतर टनल में फंसे हुए थे। जहां तक पहुंचने में कई दिन लग सकते हैं। सरकारी कर्मचारियों का कहना है कि अब धौलीगंगा नदी में सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है। जिससे कि लापता लोगों को ढूंढा जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने बीमार मां से मिलने को दी पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को जमानत

नई दिल्ली, (संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए पांच दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। अपने आदेश में, अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस केरल में उनकी मां से मिलाने के लिए कप्पन को ले जाएगी। इस दौरान कप्पन को रिश्तेदारों, डॉक्टरों और करीबी परिवार के सदस्यों को छोड़कर किसी से बात करने की इजाजत नहीं होगी। बता दें कि पहले भी बीमार मां से मिलने के लिए जमानत की गुहार लगाई गई थी, लेकिन तब मंजूर नहीं हो सकी थी। सीजेआई एसए बोबडे ने जमानत देते हुए कहा, यूपी पुलिस कप्पन को केरल में उसकी मां के घर ले जाएगी। साथ ही घर पर नजर बनाए रखेगी। इसके अलावा अदालत ने कहा है कि कप्पन के बीमार मां से मिलने के दौरान पुलिस की मौजूदगी नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सिद्दीकी कप्पन पर मीडिया (यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी नहीं) को कोई भी साक्षात्कार देने से रोक लगाई है और आदेश दिया कि वह रिश्तेदारों, डॉक्टरों और परिवार के करीबी सदस्यों को छोड़कर जनता से नहीं मिलेंगे। बता दें कि कप्पन को यूपी पुलिस ने पिछले साल 5 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अनुसार, वह हाथरस पीड़ित के परिवार से मिलने के लिए जा रहा था जब उसे पुलिस द्वारा उठाया गया और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम, 1967 के तहत आरोप लगाया गया।

मुंबई। जलगांव में पपीते से भरा ट्रक पलटने से 16 मजदूरों की मौत।

उप्र सरकार पर राज्य में शांति-व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह विफल : अखिलेश

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य में शांति-व्यवस्था स्थापित करने में पूरी तरह विफल रही है यह आरोप समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लगाते हुए कहा कि सरकार की कार्यशैली से अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। अखिलेश ने यहां एक बयान में आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सत्ता के संरक्षण में खुलेआम अपराध हो रहे हैं। उन्होंने कहा, सरकार की कार्यशैली से अपराधियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं। बदहाल कानून व्यवस्था का आलम यह है कि पुलिस के अधिकारियों पर भी हमले होने लगे हैं। प्रयागराज में एक फौजी की हत्या, ग्रेटर नोएडा में एक अपहत बच्चे का कत्ल और औरैया में एक सराफा व्यवसायी की गोली मारकर हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव है और सरकार सूबे में शांति व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह विफल हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की बिगड़ती छवि पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रदेश की जनता को शांत और भयमुक्त बनाने की दिशा में कड़े फैसले लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि अराजकता और अपराध में संलिप्त दाषियों को दण्डित कर कानून को प्राथमिकता देना सरकार का लक्ष्य होना चाहिए लेकिन जब भाजपा सरकार का एजेण्डा समाज का सद्भाव बिगाड़ना हो तो कानून का राज स्थापित कैसे होगा उन्होंने कहा, प्रदेश की जनता को अपराध मुक्त होने का झूठा सपना दिखाकर जनमत हासिल करने वाली भाजपा के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है।

बंगाल में आसान नहीं है कांग्रेस की राह

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की राह आसान नहीं है। पार्टी को जहां अपना प्रदर्शन और बेहतर करने की चुनौती है, वहीं पार्टी को भारतीय जनता पार्टी को भी सत्ता से दूर रखना है। ऐसे में पार्टी वामपंथी पार्टियों के साथ गठबंधन में मिली सीट को अलग-अलग श्रेणी में बांटकर विधानसभा चुनाव लड़ेगी, ताकि तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक तेवर से भाजपा को लाभ न हो। कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों में सीट बंटवारे को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। ऐसे में उम्मीद है कि दोनों दल जल्द सीट का ऐलान कर देंगे। दोनों पार्टियां न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर चुनाव मैदान में उतरेंगी, ताकि गठबंधन को तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले विकल्प के तौर पर पेश किया जा सके। इस बार विधानसभा चुनाव में बदलाव एक बड़ा मुद्दा है। पार्टी नेता मानते हैं कि यह चुनाव कई मायनों में अहम है। भाजपा जहां पहली बार इतनी आक्रामकता में है, वहीं तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ भी लोगों में नाराजगी है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी स्थिति और मजबूत करने के साथ भाजपा को भी रोकना है। इसलिए, पार्टी सीटों को श्रेणियों में बांटकर चुनाव लड़ेगी और कांग्रेस और लेफ्ट एक दूसरे को अपना वोट ट्रांसफर कराने की कोशिश करेंगे। पहली श्रेणी में वह सीट होंगी, जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है और तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आक्रामकता का फायदा भाजपा को नहीं मिलेगा। चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी इन सीट पर ज्यादा ध्यान देगी। दूसरी श्रेणी में वह सीट शामिल होगी, जहां लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के मुकाबले भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। चुनाव में मुकाबला भाजपा से है। तीसरी और आखिरी श्रेणी में शामिल सीट पर कांग्रेस का मुकाबला तृणमूल कांग्रेस से होगा, पर पार्टी की आक्रामकता से भाजपा को फायदा पहुंच सकता है। प्रदेश कांग्रेस के एक नेता के मुताबिक, हर सीट पर तृणमूल के खिलाफ मोर्चा खोलना उचित नहीं है। इसलिए, सीटवार रणनीति तय करेंगे। हमारी पूरी कोशिश होगी कि भाजपा को जिताने का आरोप नहीं लगे।

जब इंडियन आइडल के मंच पर पति हर्ष को गले लगा के रो पड़ीं भारती सिंह

वैलेंटाइंस डे वीक चल रहा है और खास बात ये है कि ये दिन संडे को पड़ रहा है. इस मौके पर टीवी पर कई शोज में प्यार का तड़का लगाया गया है. सोनी टीवी (Sony Tv) पर चल रहे सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 (Indian Idol 12) का नया प्रोमो सामने आया है. इस वीकेंड आने वाले एपिसोड को वैलेंटाइंस डे स्पेशल बनाया गया है. इस एपिसोड की खास बात ये रहेगी कि शो में भारती सिंह (Bharti Singh) और हर्ष लिंबाचिया (Harsh Limbachiyaa) की लव स्टोरी भी दर्शकों को दिखाई जाएगी. वीडियो में दिखाया गया है कि अपने और हर्ष के रिश्ते के बारे में बताते हुए भारती भावुक हो जाती हैं और रो पड़ती हैं.

मेकर्स ने एपिसोड का एक प्रोमो वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें भारती सिंह इमोशनल होती नजर आती हैं. वीडियो में कंटेस्टेंट सयाली और आशीष कुलकर्णी 'जब कोई बात बिगड़ जाए गाते हैं और उस पर सभी जोड़ियां डांस करती हैं. जैसे ही भारती और हर्ष की जोड़ी इस गाने पर डांस करती है तो भारती इमोशनल हो जाती हैं.

अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए भारती कहती हैं कि मैं हर्ष को पति के रूप में पाकर खुद को बहुत लकी महसूस करती हूं. हर्ष मेरा पहला ब्वॉयफ्रेंड है और इसी से मैंने शादी की. इस गाने को सुनकर मुझे लगा कि मैं हर्ष के बिना अपने आप को एक पल भी इमैजिन नहीं कर सकती हूं. मुझे लगता है कि हम पहले कपल है जो दुनिया से एक साथ जाएंगे.

भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया की जोड़ी को दर्शक बहुत पसंद करते हैं. दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती-मजाक करते नजर आते हैं. लेकिन इंडियन आइडल 12 के स्टेज पर इन दोनों का रोमांस फैंस को पसंद आ रहा है.बता दें, इंडियन आइडल शो में रविवार को स्पेशल वैलेंटाइंस डे एपिसोड रखा गया है, जिसमें भारती सिंह, हर्ष लिंबारिया, आदित्य नारायण पत्नी श्वेता अग्रवाल, नेहा कक्कड़ पति रोहनप्रीत सिंह और हिमेश रेशमिया पत्नी सोनिया के कपूर के साथ स्पेशल गेस्ट के तौर पर पहुंचेंगे. शो में नेहा कक्कड़ भी पति रोहनप्रीत सिंह को लेकर इमोशनल हो जाती हैं. नेहा कहती हैं कि मैं रोहू के लिए कह सकती हूं कि अगर रोहू इस दुनिया में नहीं है तो मुझे भी इस दुनिया में नहीं रहना. मैं रोहू के बिना मरना पसंद करूंगी.

दीपिका पादुकोण से पंगा लेना ट्रोल को पड़ा भारी, एक्ट्रेस ने खुलेआम लगाई क्लास

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं. दीपिका अक्सर ही खबरों का हिस्सा बनी रहती हैं. दीपिका पादुकोण का हर अंदाज उनके फैंस के बीच पसंद किया जाता है. दीपिका अपने बेबाक अंदाज के चलते भी चर्चा में छाई रहती हैं. उन्होंने हाल ही में एक बार फिर अपना यह अंदाज दिखाया है और सोशल मीडिया पर ही एक ट्रोल की जमकर क्लास लगा दी है. दीपिका ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर बता दिया है कि उनसे पंगा लेना किसी के लिए आसान नहीं है.दरअसल, एक यूजर ने सोशल मीडिया पर दीपिका के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल किया. दीपिका ने यूजर की इस हिमाकत को नजरअंदाज करने के बजाय सबक सिखाने का फैसला किया. दीपिका ने मैसेज का स्क्रीनशॉट अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर कर दिया. ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए स्क्रीनशॉट के साथ लिखा कि 'आपके परिवार और दोस्तों को आप पर काफी गर्व हो रहा

होगा' दीपिका पादुकोण के मुंहतोड़ जवाब का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. दीपिका के फैन्स को दीपिका की ये हिम्मत पसंद आ रही है इसलिए तारीफ करने में जुट गए हैं. दीपिका ने अपने पोस्ट से यह भी साबित किया है कि वह एक्टिंग में जलवा दिखाने के साथ साथ बुद्धिमान भी हैं. दीपिका ने खुद तो ट्रोलर के लिए कुछ गलत बात नहीं लिखी बल्कि उसी के कारनामे को दुनिया के सामने उजागर कर दिया. सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दीपिका अक्सर अपने ऊपर बने मीम्स को शेयर कर मजे लेती रहती हैं.एक्टर रणवीर सिंह की बीवी दीपिका के वर्कफ्रंट की बात करे तो फिल्म '83' में अपने पति के साथ ही नजर आने वाली हैं. इसके अलावा शकुन बत्रा की फिल्म 'अनटाइडल्ड' की शूटिंग में बिजी हैं. इस फिल्म में दीपिका के साथ अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी हैं. फिल्म 'पठान' में शाहरुख खान और जॉन अब्राहम के साथ काम कर रही हैं तो ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'फाइटर' में दिखेंगी. बता दें कि ऋतिक रोशन के साथ दीपिका पादुकोण पहली बार काम कर रही हैं.इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद बना रहे हैं.दीपिका सिर्फ कॉमर्शियल फिल्में ही नहीं बल्कि लीक से हटकर बनने वाली फिल्मों में भूमिका निभाने के लिए तैयार रहती हैं. मेघना गुलजार की फिल्म 'छपाक' इसका उदाहरण है. एसिड सर्वाइवर की भूमिका को बड़े पर्दे में निभाने का जोखिम भी दीपिका में ही है.

करीना कपूर डिलीवरी से पहले निपटा लेना चाहती हैं सारे काम, ताकि नए मेहमान पर दे सकें पूरा ध्यान

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) की डिलेवरी डेट नजदीक है. हाल ही में करीना कपूर के पिता ने उनकी डिलीवरी डेट का खुलासा किया है. करीना के पापा रणधीर कपूर के मुताबिक करीना कपूर 15 फरवरी को अपने दूसरे बच्चे को जन्म देंगी. यानि अब दो दिन में ही करीना सैफ के घर दोबारा से किलकारी गूंजने वाली है. ऐसे वक्त में अक्सर प्रेगनेंट महिलाएं पूरी तरह आराम करती हैं, लेकिन बेबो लगातार शूटिंग में बिजी हैं.

सोशल मीडिया पर वायरल ताजा वीडियो में करीना एक्सट्रा लार्ज व्हाइट शर्ट और क्रीम कलर के ट्राउजर में शूटिंग के लिए जाती दिख रही हैं. करीना अपनी टीम के साथ शूटिंग के लिए निकल रही थीं उसी वक्त ये वीडियो बनाया गया है. खुले बालों में करीना काफी खूबसूरत दिख रही हैं. वीडियो के आखिरी हिस्से में करीना कार में बैठ निकल जाती हैं. पिछले काफी दिनों से लगातार बेबी बंप में करीना की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर आ रहा है. करीना ने कई ब्रांड के एंडोर्समेंट के अलावा अपनी फिल्मों की शूटिंग पूरी कर रही हैं.

सोशल मीडिया पर एक्टिव करीना अपनी डिलेवरी को लेकर अपने फैन्स को अपडेट देती रहती हैं. अपने बेटे तैमूर की मासूम हरकतों वाली फोटो और कैप्शन इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं. करीना

कपूर और सैफ अली खान की शादी 2012 में हुई थी. 2016 में उन्होंने बेटे तैमूर अली खान को जन्म दिया. तैमूर नाम रखने पर भी मीडिया में बहस का मुद्दा बना था. अब करीना दूसरी बार मां बनने वाली हैं.

बीते 9 फरवरी को करीना के चाचा राजीव कपूर का निधन दिल का दौरा पड़ने से हो गया था. कपूर खानदान के गम में करीना हर मौके पर शरीक हुई थीं. वर्क फ्रंट की बात करे तो करीना कपूर फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आएंगी. फिल्म 'थ्री इडियट' के बाद करीना एक बार फिर आमिर खान के साथ काम कर रही हैं. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही करीना का बेबी बंप फ्लांट होने लगा था.

जब प्रियंका चोपड़ा जोनस के लिए ऋतिक रोशन बने एक रियल लाइफ सुपर हीरो!

बॉलीवुड सुपरस्टार, ऋतिक रोशन (Hrithik Roshan) अपने दयालु स्वभाव के लिए जाने जाते है. उनके को-एक्टर हमेशा उनके अच्छे कामों के बारे में बात करते रहते हैं. उनकी उदारता को पिछले दो दशकों में कई अवसरों पर उनके दोस्तों और सहकर्मी देख चुके हैं. इस लिस्ट में प्रियंका चोपड़ा जोनस (Priyanka Chopra Jonas) का नाम भी शामिल हो है. जिन्होंने क्रिश (2006), अग्निपथ (2012) और क्रिश 3 (2013) जैसी फिल्मों में ऋतिक के साथ काम किया है. अपनी आटोबायोग्राफी में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि कैसे ऋतिक रोशन ने उनके पिता के मेडिकल क्राइसिस के दौरान उनकी मदद की.

अपनी हाल ही में पब्लिश्ड ऑटोबायोग्राफी अनफिनिश्ड में, प्रियंका ने अपने शुरुआती दिनों की याद ताजा की, जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा ही था. उन्होंने बताया कि उनके सह-कलाकार ऋतिक ने तब उनकी मदद की जब उन्हें अपने पिता डॉ अशोक चोपड़ा के जानलेवा बीमारी से ग्रस्त होने के बारे में पता चला था और उस समय प्रियंका क्रिश की शूटिंग कर रही थीं जो तब तक की उनकी सबसे बड़ी फिल्म थी.

जब ऋतिक को उनके पिता की गंभीर स्थिति और इस फेक्ट के बारे में पता चला कि उन्हें विदेश में एक अस्पताल में शिफ्ट करने की आवश्यकता है, तो ऋतिक ने कोई कसर नहीं छोड़ी और हर संभव मदद करने की कोशिश की थी. प्रियंका ने बताया कि, 卐अविश्वसनीय रूप से, ऋतिक जो हिंदी फिल्म उद्योग में बेहद सफल हैं, उन्होंने फोन किया और एयर इंडिया में अपने कनेक्शन का इस्तेमाल करके मेरे पिता की लंदन के लिए तत्काल उड़ान की व्यवस्था की.

ऋतिक द्वारा समय पर की गई मदद के लिए धन्यवाद, डॉ चोपड़ा को लंदन शिफ्ट किया और आवश्यक ट्रीटमेंट और सर्जरी की गई. और उनकी जान बच गयी. आभारी प्रियंका ने ऋतिक के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए लिखा, अगर हमारे आस-पास के लोग नहीं होते जो हमारी तरफ से ऐसा करने के लिए इतने दयालु और इतने तैयार होते - ऋतिक और उनके पिता राकेश सर, बोस्टन में हमारा परिवार - मुझे संदेह है कि मेरे पिता उस वक़्त बच पाते. ऐसा कोई रास्ता नहीं है जिससे मैं कभी भी उनके प्रति अपनी कृतज्ञता को पर्याप्त रूप से व्यक्त कर सकूं, यह थोड़ा डीप है.ऋतिक रोशन शायद एकमात्र भारतीय सुपरस्टार हैं जिनके पास कई सफल सुपरहीरो फिल्में है. और वह अपनी फिल्मों की तरह असल जिंदगी में भी एक सुपरहीरो हैं. प्रियंका की तरह, कई अन्य सह-कलाकार, क्रू के सदस्य और उनके परिवार हैं जो उनकी दयालुता के लिए ऋतिक के आभारी हैं. ऐसे कई मौके आए जब ऋतिक ने सेट पर घायल हुए क्रू मेंबर्स की मदद के लिए कदम आगे बढ़ाया और उन्हें मौद्रिक सहायता प्रदान की और संकट के समय में उनके परिवारों के समर्थन के लिए भी आगे आये.कोविड-19 महामारी के दौरान भी उनका परोपकारी पक्ष स्पष्ट रूप से देखा गया था. उन्होंने एक एनजीओ से हाथ मिलाया, जो वृद्धाश्रमों, दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूरों और भारत के निम्न आय वर्ग के लोगों को 1.2 लाख पौष्टिक पका हुआ भोजन प्रदान करते है. महामारी के दौरान बीएमसी कार्यकर्ताओं के प्रयासों को देखते हुए, ऋतिक ने न केवल रु 20 लाख दान किये, बल्कि उनके लिए ह95 और स्न्नक्3 मास्क का भी योगदान दिया.

इतना ही नहीं, सुपरस्टार ने आगे आ कर निम्न-मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले पपराज़ी फोटोग्राफरों का भी समर्थन किया. यह सब यहीं नहीं रुका, ऋतिक ने 100 बॉलीवुड डांसर्स के बैंक खातों में पैसा जमा करवाये जो नौकरी से हाथ धो बैठे थे और इस भयानक महामारी के दौरान कठिन समय से गुजर रहे थे. प्रियंका चोपड़ा जोनस से लेकर आम लोगों तक, हर किसी के पास अभिनेता की दयालुता साझा करने के लिए यादगार उदाहरण हैं. कोई शक नहीं कि यह सुपरस्टार अंदर से भी उतना ही खूबसूरत है जितना कि बाहर से है.

संक्षिप्त समाचार

कोहली के नाम दर्ज हुआ अनोखा रिकार्ड

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक अनोखा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। विराट इसी के साथ ही भारतीय टीम के पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं जिन्होंने दूसरी बार पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 50 से अधिक रन बनाये हैं। विराट पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये पर दूसरी पारी में उन्होंने संभल कर खेला और अर्धशतक पूरा किया। विराट ने 107 गेंदों पर 7 चौकों की सहायता से अर्धशतकीय पारी खेली। कोहली ने इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ साल 2017 में कोलकाता में पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 104 रन बनाए थे।

थोर्प ने चेन्नई की पिच को कठिन करार दिया

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड के सहायक कोच ग्राहम थोर्प ने पहली पारी में 134 रनों पर आउट होने के बाद यहां की पिच को बेहद कठिन बताया है। थोर्प ने कहा, मैं यही कहूंगा कि यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण पिच है। जहां तक पिच पर टिप्पणी करने की बात है तो मुझे लगता है कि मुझसे ऊपर ही कोई इस बारे में कुछ कहेगा। थोर्प ने कहा, दूसरे दिन इस पिच पर खेलना हमारे लिये बेहद कठिन था। भारतीय टीम का स्पिन आक्रमण बहुत ही शानदार रहा है। घरेलू हालातों में टॉस जीतकर खेलना उनके लिए अच्छा रहा है। इससे पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने दूसरे टेस्ट के लिये चेपॉक की पिच की आलोचना की थी पर अब उन्होंने अपनी टीम के खिलाड़ियों की ही आलोचना की है। वहीं मैच में अंपायर के एक पफैसले पर विवाद को लेकर थोर्प ने कहा कि हमें अंपायर के फैसलों को मानना होगा और तकरीनक पर भी भरोसा करना होगा। थोर्प ने यह बात भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा को रिव्यू में नाटऑउट करार दिये जाने पर की है।

ऋषभ को प्यार से थप्पड़ लगाते हुए दिखे रोहित

चेन्नई, (एजेंसी)। इंग्लैंड के साथ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में भारतीय गेंदबाज जब एक के बाद एक विकेट ले रहे थे। तो भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की खुशी का ठिकाना नहीं था। इस दौरान जश्न मनाने हुए रोहित विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को प्यार से थप्पड़ लगाते हुए दिखे। इस घटना का वीडियो वीरेंद्र सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है चेन्नई टेस्ट में ऋषभ ने बल्लेबाजी के अलावा विकेटकीपिंग में भी अच्छा प्रदर्शन किया। पहली पारी में ऋषभ ने 77 गेंदों में सात चौके और तीन छक्कों की बदौलत नाबाद 58 रन बनाए। ऋषभ का टेस्ट मैचों में यह लगातार चौथा अर्धशतक है। चेन्नई टेस्ट की पहली पारी में भी उन्होंने 88 गेंदों में 91 रन बनाए थे। वहीं विकेटकीपिंग के दौरान ऋषभ ने ओली पोप और जैक लीच का खूबसूरत कैच पकड़ा हालांकि दूसरी पारी में वह कुछ खास नहीं कर सके और सिर्फ 8 रन बनाकर जैक लीच की गेंद पर स्टंप हो गए। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर ऋषभ ने सिडनी टेस्ट में 97 और ब्रिसबेन के गाबा मैदान में नाबाद 89 रनों की पारी खेली थी।

फिलिप आईलैंड ट्रॉफी के दूसरे दौर में पहुंची अंकिता

मेलबर्न ईएमएस)। भारत की महिला टेनिस स्टार अंकिता रैना फिलिप आईलैंड ट्रॉफी के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। अंकिता ने पहले दौर में एलिसबेट्टा कोकिएरेटो को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराया। अंकिता ने फिलिप आईलैंड ट्रॉफी के इस मैच के पहले सेट मे पिछडे के बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7 6-1 6-2 से जीत हासिल की है। दो घंटे 11 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही अंकिता की रैंकिंग भी बेहतर हुई है। वह 181 वें स्थान से 156वें रैंकिंग पर पहुंच गयी हैं। इससे पहले अंकिता डब्ल्यूटीए टूर पर यारा वैली क्लासिक और थाईलैंड ओपन में हार गयी थीं। अंकिता ने जीत के बाद कहा कि यहां हालात काफी कठिन थे पर। तेज हवा के कारण खेलना कठिन हो रहा था। मेरी शुरूआत अच्छी रही जिसका मुझे लाभ मिला।

इंदौर में 22 से 27 फरवरी तक अंतर्राष्ट्रीय टेनिस का भव्य आयोजन

इंदौर, 15 नवंबर, (एजेंसी)। अब एक बार फिर शहर में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस का भव्य आयोजन होने जा रहा है। म.प्र. टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एवं यलो डायमंड द्वारा प्रायोजित इंटरनेशनल वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर आईटीएफ ग्रेड-5 टेनिस चैंपियनशिप का भव्य आयोजन 22 से 27 फरवरी तक होने जा रहा है। भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर ने बताया कि देश में अंतर्राष्ट्रीय टूनार्मेंट शुरू हो गए हैं और इंदौर में भी एक बार फिर देश-विदेश के खिलाड़ी इंदौर टेनिस क्लब का अपना जौहर दिखाएं हुए नजर आएंगे। यह स्पर्धा का लगातार 13वां वर्ष है। जूनियर स्तर की इस अहम स्पर्धा के मुख्य दौर के मुकाबले 22 फरवरी से शुरू होंगे। उसके पहले 20 व 21 फरवरी को क्वलीफाइंग दौर के मुकाबले खेले जाएंगे। स्पर्धा में अब तक कई देशों की प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी है। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के लिए भी यह टूनार्मेंट काफी अहम होगा। 18 वर्ष बालक व बालिका वर्ग में होने वाले इस टूनार्मेंट में एकल व युगल मुकाबले खेले जाएंगे। टूनार्मेंट में कोविड-19 की गाइड लाइन का पूरा पालन किया जाएगा। देश-विदेश के जो भी खिलाड़ी आएंगे उनसे कोरोना की जांच रिपोर्ट ली जाएगी।

अश्विन ने हरभजन को पीछे छोड़ने के बाद माफी मांगी

चेन्नई, (एजेंसी)। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन देश में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। इससे पहले दूसरे नंबर पर दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह थे पर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए भज्जी को पीछे छोड़ दिया। अश्विन ने बेन स्टोक्स को आउट करने के साथ ही हरभजन को पीछे छोड़ा जिनके नाम 28.76 के औसत से 265 विकेट हैं। घरेलू मैदान पर अश्विन ने 266 विकेट लिये हैं।

अश्विन ने कहा, जब मैंने 2001 श्रृंखला में हरभजन को खेलते देखा था तब मैंने यह सोचा थी नहीं था कि देश के लिए ऑफ स्पिनर के तौर पर खेलूंगा। मैं उस समय अपने राज्य के लिए खेल रहा था और बल्लेबाजी में अपना करियर बनाना चाहता था। 76 टेस्ट में 25.26 के शानदार औसत से कुल 391 विकेट लेने वाले अश्विन ने कहा कि कि शुरूआती दौरे में टीम के उनके साथी खिलाड़ी हरभजन की तरह गेंदबाजी करने पर उनका मजाक उड़ाते थे।

उन्होंने कहा, उस उम्र के मेरे साथी खिलाड़ी मेरा मजाक उड़ाया करते थे, क्योंकि मैं हरभजन भाई की तरह गेंदबाजी करता था। वैसे स्थिति से आने के बाद उनके रिकार्ड को तोड़ने के लिए आपको अविश्वसनीय रूप से विशेष होना चाहिए। मुझे इसके बारे में पता नहीं था, अब जब मुझे इसके बारे में पता है, तो मुझे खुशी हो रही है। माफ करें, भज्जू भाई।

श्रीलंका का यह घातक गेंदबाज बनाना चाहता था पादरी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। 14 फरवरी का दिन क्रिकेट इतिहास के सबसे खास दिनों में से है। पिछले 18 सालों से हर साल ये दिन एक ऐसी उपलब्धि के लिए याद किया जाता है, जो क्रिकेट के लगभग डेढ़ सौ साल के इतिहास में न पहले कभी हुई थी और न अभी तक दोबारा किसी को नसीब हुई है। आज से 18 साल पहले 14 फरवरी 2003 को द.अफ्रीका के पीटरमैरिट्जबर्ग में दोपहर का वक्त एक करिश्मे का गवाह बना। उस स्टेडियम में पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय मैच होने जा रहा था और मौका था वर्ल्ड कप के मैच का। इतने बड़े टूनार्मेंट के लिए एक ऐसा स्टेडियम, जिसमें पहले कभी कोई मैच नहीं हुआ था। हैरानी जरूर हो सकती है, लेकिन इतिहास कहीं भी बन सकते हैं। 14 फरवरी 2003 को श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें आमने-सामने थीं। श्रीलंका के कप्तान सनथ जयसूर्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और पहले ओवर में ही उनका फैसला सही हो गया। श्रीलंका के हाथ में पहले ही ओवर में मैच आ गया और इतिहास बन गया। श्रीलंका के महानतम तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने मैच की पहली 3 गेंदों में ही हैट्रिक जमा दी। वास ने हन्नान सरकार, मोहम्मद अशरफुल और एहसानुल हक को खाता खोले बिना पवेलियन लौटा दिया। क्रिकेट इतिहास में आजतक ऐसा कारनामा उससे पहले कभी नहीं हुआ था। क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पहले ही ओवर की पहली 3 गेंदों में हैट्रिक का कमाल आज तक नहीं हो पाया है। चमिंडा वास यहीं नहीं रुके, उन्होंने इस ओवर की पांचवीं गेंद पर चौथा विकेट भी झटक लिया। मैच में उन्होंने 9.1 ओवरों में 25 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल हो गए, जिनके नाम वनडे क्रिकेट में 2 हैट्रिक हैं। 8 दिसंबर 2001 को कोलंबो में वास ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच की पहली ही गेंद पर विकेट झटककर एक के बाद एक लगातार 8 ओवर गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 19 रन देकर 8 विकेट अपने नाम कर डाले। इसमें से एक हैट्रिक भी शामिल थी। वनडे क्रिकेट के इतिहास में ये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हालांकि, अगर वास के बचपन का सपना पूरा हो जाता, तब वहां कभी भी ये करिश्मे नहीं कर पाते। वास श्रीलंका के एक कैथलिक परिवार में पैदा हुए थे। क्रिकेट में खुद को समर्पित करने से पहले वास के बचपन का सपना चर्च का पादरी बनने का था। एक इंटरव्यू में वास ने बताया भी था कि वह पादरी बनने को लेकर काफी गंभीर थे, लेकिन उसके लिए 12 से 14 साल तक की कड़ी पढ़ाई जरूरी थी और इस सबके बीच क्रिकेट का जादू उन पर चलने लगा।

चेन्नई में इंग्लैंड के साथ दूसरे टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली।

मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में खेलती हुई अमेरिका की जेसिका पीगयूला।

युवराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, (संवाददाता)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को पिछले साल इंस्टाग्राम लाइव के दौरान दलितों के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी भारी पड़ती दिख रही है। युवराज के खिलाफ हरियाणा के हिसार में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। यह प्राथमिकी दलित ह्यूमन राइट्स के संयोजक रजत कलसन की शिकायत पर दर्ज की गई है। उन्होंने पिछले साल दो जून को युवराज के खिलाफ एक शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करने और गिरफ्तारी की मांग की थी।

युवराज पर आरोप है कि सोशल मीडिया पर अपने साथी क्रिकेटरों से बातचीत के दौरान उन्होंने कथित रुप से दलित समाज को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। एक रिपोर्ट के अनुसार युवराज के खिलाफ यह एफआईआर हिसार के हांसी शहर थाने में आठ महीनों पहले की एक शिकायत पर दर्ज हुई है। गौरतलब है कि लॉकडाउन में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के साथ इंस्टाग्राम चैट के दौरान युवराज ने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। युवराज ने यहां युजवेंद्र चहल के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया था जिसको लेकर आपत्ति जतायी गयी है। उन्हें इस प्रकार की बयानबाजी पर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों द्वारा आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था जिसके लिए युवराज ने सार्वजनिक रुप से माफी भी मांगी थी।

अर्जुन तेंदुलकर का ऑलराउंड प्रदर्शन

मुंबई, (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने 73वें पुलिस आमंत्रण शील्ड क्रिकेट टूनार्मेंट के ग्रुप ए मुकाबले में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है। अर्जुन ने 31 गेंदों में नाबाद 77 रन की पारी खेली। इसके साथ ही 41 रन देकर तीन विकेट भी लिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत एमआईजी क्रिकेट क्लब ने इस्लाम जिमखाना को 194 रन से हराया। यह टूनार्मेंट मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने आयोजित किया है और कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के बाद शहर में यह पहली क्रिकेट प्रतियोगिता है। 21 वर्षीय अर्जुन ने अपनी शानदार पारी के दौरान पांच चौके और आठ छक्के लगाए। उन्होंने ऑफ स्पिनर हाशिर दाफेदार के एक ही ओवर में पांच छक्के लगा दिए। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी एमआईजी ने 45 ओवर में सात विकेट पर 385 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

नीलामी में इन युवा और अनुभवी खिलाड़ियों पर दांव लगा सकती हैं केकेआर

मुंबई, (एजेंसी)। आईपीएल 2021 का ऑक्शन 18 फरवरी को आयोजित होना है। हर बार की तरह इस बार फिर केकेआर की टीम ऑक्शन में उन खिलाड़ियों को खरीदने की कोशिश करेगी जो लंबे समय तक टीम के साथ जुड़े रहे। केकेआर ने 7 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। कोलकाता के पास पर्स में 10.75 करोड़ रुपए हैं। देखना होगा कि केकेआ की टीम किन-किन खिलाड़ियों को खरीदने की कोशिश करती है। वैसे केकेआर बेहतरीन ओपनर को टीम के साथ जोड़ना चाहेगी तब शुबमन गिल के साथ सफल ओपनिंग जोड़ी बना सके।

केकेआर के पास शुबमन गिल के तौर पर एक बेहतरीन ओपनर हैं। लेकिन दूसरे ओपनर के लिए टीम को संघर्ष करना पड़ा है। पिछले सीजन में भी केकेआर को इस परेशानी से गुजरना पड़ा था। इसका कारण रहा कि पिछले सीजन में केकेआर ने टॉम बैंटन राहुल त्रिपाठी और नरेन को ओपनर के तौर पर बल्लेबाजी कराई थी लेकिन ओपनर के तौर पर यह उपयोग सफल नहीं हो पाया था। इसके बाद ऑक्शन में केकेआर एक बेहतरीन ओपनर की तलाश कर सकती है। इसके बाद केकेआर एरोन फिंच या एविन लुईस पर बोली लगा सकती है। दोनों ही ओपनिंग कर सकते हैं। शुरूआत में तेजी से रन बनानें की काबिलियत भी रखते हैं।

केकेआर की ऑक्शन में मध्यक्रम बल्लेबाज की भी तलाश कर सकती है। दिनेश कार्तिक, इयोन मॉर्गन और आंद्रे रसेल जैसे खिलाड़ी होने के बाद भी केकेआर का मध्यक्रम पिछले सीजन में फ्लॉप रहा था। इस बार के ऑक्शन में केकेआर जेम्स नीशम जैसे ऑलराउंडर को खरीदकर टीम में शामिल कर सकता है। वैसे केकेआ की टीम युवा खिलाड़ियों को खरीदने की कोशिश ज्यादा करती हैं। इसकारण उम्मीद हैं कि केरल के युवा सुपरस्टार मोहम्मद अजहरुद्दीन के लिए भी बोली लगा सकती है। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 194.54 की औसत से 214 रन बनाकर धुआंधार शतक भी जमाया था।

वहीं केकेआर क्रिस मौरिस जैसे गेंदबाज को ऑक्शन में बोली लगाकर खरीदने की कोशिश कर सकता है। क्रिस ग्रीन का सही रिप्लेसमेंट क्रिस मॉरिस हो सकते हैं। मॉरिस गेंदबाजी के अलावा बल्लेबाजी भी कर सकते हैं टी-20 क्रिकेट में मॉरिस लोअर ऑर्डर में बल्ले से भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। इतना ही नहीं केकेआर जेसन बेहरेनडॉर्फ और मिशेल मैक्लेनघन जैसे गेंदबाज पर भी बोली लगाने में पीछे नहीं रह सकता है।

केकेआर की टीम स्पिनर्स को भी टीम में शामिल करने के लिए बोली लगा सकती है। अभी केकेआर के पास वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और सुनील नरेन जैसे स्पिनर हैं जो काफी काफी साबित हो सकते हैं। लेकिन ऑक्शन में केकेआर अपने पुराने स्पिनर पीयूष चावला को फिर से वापस ला सकता है। बता दें कि सीएसके ने पीयूष चावला को रिलीज कर दिया है।

पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीती

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने रविवार को यहां हुए तीसरे और अंतिम टी20 मैचों में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मोहम्मद नवाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 रन पर दो विकेट लेने के साथ ही नाबाद 18 रन बनाये। तीसरे और अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रनों का अच्छा खासा स्कोर बनाया जिसके जवाब में पाकिस्तान ने छह विकेट के नुकसान पर यह लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने एक समय अपने सात विकेट केवल 65 रन पर गंवा दिए थे पर इसके बाद डेविड मिलर ने 45 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की सहायता से नाबाद 85 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को 164 रन तक पहुंचाया। पाक की ओर से जाहिद महमूद ने 40 रन पर तीन विकेट जबकि हसन अली ने 29 रन पर दो वहीं मोहम्मद नवाज ने दो ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं पाक की तरफ से सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 30 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 42, कप्तान बाबर आजम ने 30 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 44, मोहम्मद नवाज ने 11 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के के सहारे नाबाद 18 और हसन अली ने 7 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों के सहारे नाबाद 20 रन बनाये। हसन अली ने 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर चौके और छक्के लगाकर पाक को जीत दिला दी।

आईपीएल 2021 में हरभजन सिंह पर मेहरबान हो सकती हैं तीन फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे अनुभवी स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह आईपीएल 2021 के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 18 फरवरी को आईपीएल के 14वें सीजन की नीलामी होगी। खबरों के मुताबिक, इस नीलामी में हरभजन सिंह पर ये तीन फ्रेंचाइजी मेहरबान हो सकती हैं। दरअसल, इस साल की नीलामी में हरभजन सिंह का खुद का बेस प्राइस दो करोड़ रुपये रखा है।

पांच बार की आईपीएल चैंपियंस मुंबई इंडियंस मुंबई इंडियंस नीलामी में हरभजन सिंह को अपने साथ जोड़ सकती है। इस टीम से भज्जी का पुराना नाता है। हरभजन सिंह 2008 से लेकर 2017 तक आईपीएल में मुंबई का हिस्सा रहे हैं।दूसरी फ्रैंचाइजी, जो हरभजन की तिजोरी भर सकती है, वहां किंग्स इलेवन पंजाब है। पंजाब में अनुभवी स्पिन गेंदबाज की दरकार है। पंजाब में रवि विश्नोई (एक सीजन) और मुरुगन अश्विन (31 मैच) दो स्पिन गेंदबाज हैं, जो पिछले सीजन में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। ऐसे में हरभजन सिंह के आने से स्पिन विभाग में मजबूती मिलेगी। बता दें कि हरभजन पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेले हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स भी नीलामी में हरभजनपर बड़ा दांव खेल सकती है। कोलकाता को अनुभवि स्पिन गेंदबाज की जरूरत है। हालांकि, टीम में चाइनामैन कुलदीप यादव के अलाना वरुण चक्रवर्ती हैं। यादव पिछले सीजन में प्लॉफ रहे थे जबकि चक्रवर्ती ने अपनी गेंदबाजी से कमाल का प्रदर्शन किया था। हरभजन पर दांव खेलकर नाइटराइडर्स अपने स्पिन विभाग को और मजबूत करना चाहेगी।

बता दें कि पिछले सीजन में भज्जी चेन्नई सुपरकिंग्स का हिस्सा थे, लेकिन उन्होंने किसी वजह से खेलने से इनकार कर दिया था। वहीं, चेन्नई ने इस साल की नीलामी से पहले भज्जी सहित छह खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया था। बता दें कि आईपीएल 2021 की नीलामी में 292 खिलाड़ियों की बोली लगेगी।

लंदन में इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए आर्सेनल के पीयरे इमरिक।